रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
12 दिसंबर -2025
वर्ष 10, अंक 98
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

राहुल ने चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर की नियुक्ति पर सवाल उठाए

● पूछा- एसटी-ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय से कितने उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर (सीआईसी) और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स की नियुक्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों की जातियों पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असहमति जताई।

इनकी नियुक्ति को लेकर बुधवार को पीएम मोदी, राहुल और अमित शाह के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डेढ़ घंटे चली मीटिंग हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल ने कुछ हफ्ते पहले सरकार से आवेदकों और चुने गए उम्मीदवारों की जाति की जानकारी मांगी थी। बैठक के पहले सरकार ने नेता प्रतिपक्ष से इसकी जानकारी साझा की। इस पर राहुल ने कहा कि चयनित उम्मीदवारों में अनुसूचित जाति/जनजाति, ओबीसी, ईबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के नाम शामिल नहीं हैं।

गोवा अग्निकांड

लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में ले लिया गया। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी।

बिर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे।

सीएम ममता बोलीं-

शाह खतरनाक, वे दुर्योधन-दुशासन जैसे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो

दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा।

ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर यानी वोटर वेरिफिकेशन) को लेकर महिलाओं से कहा- वे (केंद्र सरकार) एसआईआर के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे।

ममता के मुताबिक माताओं-बहनों, अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है।

पांच वर्ष के लिए सिरमौर के पश्मी मंदिर में रुकेंगे देवता,उनके आगमन पर लोगों में खुशी तो अपने आराध्य देवता के जाने पर

उत्तराखंड में 4 दिन से रो रहीं महिलाएं

● 'चालदा महासू महाराज' की विदाई से माहौल गमगीन

नाहन (एजेंसी)। उत्तराखंड के जौनसार-बाबर क्षेत्र के लोग चार दिन से फूट-फूट कर रो रहे हैं। इनके आराध्य देवता 'चालदा महासू महाराज' बीते सोमवार को दसऊ मंदिर से हिमाचल के सिरमौर जिला के पश्मी क्षेत्र की यात्रा पर निकल पड़े थे। इसके बाद, जौनसार बाबर क्षेत्र देवता की में खासकर महिलाओं के आंसू नहीं थम रहे। बता दें कि 'चालदा महासू महाराज' हिमाचल और उत्तराखंड के हजारों लोगों के आराध्य है। यह देवता पांच साल तक उत्तराखंड के दसऊ मंदिर में विराजमान थे। अब अगले पांच वर्ष सिरमौर के पश्मी मंदिर में रुकेंगे। दसऊ से पश्मी की यात्रा के दौरान दर्जनों गांव के हजारों लोग जगह-जगह देवता के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

● **4 दिन में 60 हजार से ज्यादा लोग दर्शन कर चुके**- माना जा रहा है कि चार दिनों में से 60 हजार से ज्यादा लोग दर्शन कर चुके हैं। उत्तराखंड के दसऊ, दसक, समाल्टा, कोटी-कनासर, अणु, बांगसाल, आंछर, बड़वाड़ी और झोटा क्षेत्र के गांव में कल तक प्रवास करेंगे।

● **कल हिमाचल में प्रवेश करेंगे देवता महाराज**- परसों यानी 13 दिसंबर को हिमाचल के सिरमौर में देवता महाराज प्रवेश करेंगे। सिरमौर के शिलाई क्षेत्र में न्याय के देवता चालदा महासू महाराज के स्वागत की जोरदार तैयारियां चल रही है। देवता के स्वागत को द्वार सजाए जा चुके है। धाम की तैयारियां जोरों पर है।

कौन हैं चालदा महासू महाराज?

महासू देवता उत्तराखंड के जौनसार-बाबर और हिमाचल के शिमला-सिरमौर के शिलाई क्षेत्र में न्याय के देवता के रूप में पूजे जाते हैं। उनके चार रूप माने जाते हैं

बासिक (मुख्य)
पाबसीक
बोल्डा
चालदा (यात्रा करने वाला रूप)

चालदा महाराज को देवभूमि का यात्रा करने वाला स्वरूप माना जाता है, जो वर्षों के अंतराल पर अपने भक्तों के बीच प्रवास करते हैं। माना जाता है कि जहां-जहां उनके कदम पड़ते हैं, वहां से संकट दूर होता है और न्याय मिलता है।

सभी योजनाओं को समय पर करें पूरा उपायुक्त

साहिबगंज।साहिबगंज उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में गुरुवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, जल जीवन मिशन, जिला जल एवं स्वच्छता समिति एवं SBM-G से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की शुरुआत में उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिये गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी प्रखंडों में जलसाथियों के रिक्त पदों को ग्राम सभा के माध्यम से शीघ्र भरने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, पृथक्करण केंद्रों की कार्यप्रणाली, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं — साहिबगंज मेगा जलापूर्ति योजना, साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना, तालझारी पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना, बोरियो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजन, मंडरो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना, साहेबगंजङ्कगोड्डाङ्कदुमका एनवीएस की वर्तमान स्थिति, प्रगति, पूर्ण/प्रक्रियाधीन योजनाओं और हैंडओवर लंबित योजनाओं की विस्तृत जानकारी कार्यपालक अभियंता से प्राप्त की।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी अपूर्ण योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक कितने घरों को पाइप जलापूर्ति से जोड़ा गया है, इसकी जानकारी लेते हुए उन्होंने लक्ष्य आधारित एवं गुणवत्ता युक्त कार्य निष्पादन पर जोर दिया।

संत जेवियर स्कूल ए ने 5 विकेट से जीता मैच

ओम प्रकाश तांती, साहिबगंज ब्यूरो/ साहिबगंज। ज़िला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 ज़िला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत बुधवार को संत जेवियर स्कूल बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.3 ओवर में 124 रन बना कर ऑल आउट हो गई। कुणाल यादव ने 26, पीयूष यादव ने 29 व कुश कुमार ने 13 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल के गेंदबाज सूरज राज ने 4 व आदित्य यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए 13.4 ओवर में 5 विकेट ले नुकसान पर 126 रन बना कर 5 विकेट से मैच जीत लिया। आदित्य यादव ने 27, शांतनु ने 28, आदित्य यादव ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज सत्यम ने 3 व पीयूष ने 2 विकेट लिए। संत जेवियर के खिलाड़ी सूरज राज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एनआईएस कोच योगेश यादव ने सूरज को मैन ऑफ़ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूर्नामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 11 दिसंबर को टूर्नामेंट का पहला सेमी फाइनल माही स्पोर्ट्स येलो बनाम संत जेवियर स्कूल बी के बीच मैच खेला जाएगा।

वेदांता प्लांट विस्थापन मामला : किसान संग्राम समिति ने दिया सात दिन का अंतिम अल्टीमेटम

सड़क हादसे,घातक प्रदूषण ,केमिकल पानी नदियों में ,वन भूमि पर अवैध कब्ज़ा

अलग पहचान ,अन्नपूर्णा गुप्ता, प्रधान संपादक, नई दिल्ली/ बोकारो के चास-चंदनकियारी क्षेत्र में वेदांता इस्पात संयंत्र (पूर्व नाम इलेक्ट्रोस्टील) द्वारा भूमि अधिग्रहण में बड़े पैमाने पर हुई कथित धांधली, पर्यावरण नियमों के खुलेआम उल्लंघन, मुआवजे में वर्षों की देरी तथा स्थानीय रैयतों के मौलिक अधिकारों के हनन के विरुद्ध किसान संग्राम समिति ने दिनांक 10 दिसंबर 2025 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सात दिन का अंतिम समयसीमा निर्धारित की है। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर जिला प्रशासन एवं कंपनी प्रबंधन प्रभावित परिवारों के साथ वार्ता कर मुआवजा, रोज़गार, पुनर्वास तथा पर्यावरणीय क्षति की भरपाई एवं वन भूमि पर अवैध कब्ज़े को हटाने जैसे मुद्दों का स्थायी समाधान नहीं करते, तो क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं से लेकर अनिश्चितकालीन उग्र जनांदोलन प्रारंभ किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुखिया प्रतिनिधि जीतून अंसारी ने कहा कि आंदोलनकारियों को बार-बार फर्जी मुकदमों में फंसाकर दमन का मकड़जाल बुना जा रहा है, किंतु अब ग्रामीण समुदाय इस अन्याय को सहन नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्लांट के कारण सड़क दुर्घटनाएँ चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं, वायु एवं जल प्रदूषण जानलेवा स्तर पर पहुँच गया है तथा केमिकल युक्त अत्यंत विषैला जल सीधे नदियों में छोड़ा जा रहा है। किसान संग्राम समिति ने बताया कि उपायुक्त बोकारो से मुलाकात न हो पाने के कारण आज ही विस्तृत शिकायत-पत्र उनके आधिकारिक संपर्क सूत्र पर प्रेषित कर दिया गया है, जिसमें सात दिन में ठोस कार्रवाई न होने पर आंदोलन को और तीव्र करने की कड़ी चेतावनी दी गई है। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा, ÷लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन अब बर्दाश्त नहीं होगा पूरी तैयारी के साथ हम सड़कों पर अब उतरेंगे क्योंकि वेदांत के भ्रष्ट अधिकारी फर्जी मुकदमा में फसाने का प्रयास कर रही है।

संसद के शीतकालीन सत्र में जेपी नड्डा बोले-

कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई

● अनुराग ठाकुर की शिकायत- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को नौवें दिन की कार्यवाही जारी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा। विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी: मणिबेन पटेल की डायरी नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा। राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं। इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए। आज भी दोनों सदनों में चुनाव सुधार, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर हंगामे के आसार हैं।

नड्डा बोले- देश अनकंडीशनल सेंटीमेंट्स को ध्यान में रखकर चलता है- नड्डा बोले ने कहा कि देश अनकंडीशनल सेंटीमेंट्स को ध्यान में रखकर चलता है। वंदे मातरम् को वही सम्मान मिले, जो हम राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय ध्वज को मिलता है।

● **कांग्रेस ने हर चीज कबूल की और कंप्रोमाइज किया**- नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा हर चीज को कबूल किया और कंप्रोमाइज किया है। वक्फ भी इसी का हिस्सा है। बॉम्बे प्रेसिडेंसी का विभाजन कर दिया। मुस्लिम लीग ने इसकी मांग की थी। बाकी लोग नहीं चाहते थे कि ये बंटे। 1947 में मुस्लिम लीग ने वंदे मारतम् का विरोध किया। कांग्रेस ने कबूल किया, अपने रेजोल्यूशन में। जिन्ना ने दो देश की बात कही। 1947 में कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई।

एमपी-यूपी समेत 5 राज्यों में एसआईआर की समय-सीमा बढ़ी

● उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक बढ़ी, पहले आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की समयसीमा बढ़ा दी गई है। 5 राज्यों में इसे एक हफ्ते के लिए बढ़ाया गया है, वहीं उत्तर प्रदेश में इसे 31 दिसंबर आखिरी तारीख तय की गई है। समयसीमा बढ़ाए जाने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार शामिल हैं।

पहले इसकी आखिरी तारीख 11 नवंबर तय की गई थी, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे बढ़ाने का फैसला लिया है। अब अपडेटेड वोटर लिस्ट 19 नवंबर को जारी होगी। इससे पहले आयोग ने केरल के लिए आखिरी तारीख 11 दिसंबर से बढ़ाकर 18 दिसंबर कर दी थी।

30 नवंबर को एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई थी- चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

पॉलिटिकल पार्टियों को मिलेगी मृत मतदाताओं की सूची- निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पहले मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित वोटरों की सूची दी जाएगी।

उत्तराखंड में झरने जमे, केदारनाथ-बद्रीनाथ का तापमान -13 डिग्री से नीचे

हिमाचल के 28 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे गिरा, मैदानी इलाकों में कोहरा, कुफरी में तेज हवाएं

शिमला (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों की बर्फबारी और हिमालयी क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस बनने से मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ी है। वहीं हिमाचल प्रदेश के 28 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है। लाहौल स्पीति के कुकुमसैरी का पारा माइनस 6.3 डिग्री और ताबो का माइनस 4.6 डिग्री तक लुढ़क गया है। कुल्लू के भुंतर, बजौरा, मनाली, कल्पा और सोलन में भी तापमान जमाव बिंदू के आसपास पहुंच गया है।

अधिक ऊंचे क्षेत्रों के साथ साथ मैदानी इलाकों में भी कोहरा पड़ने से ठंड बढ़ी है। हालांकि, शिमला के रात के तापमान में उछाल है। शिमला का रात का पारा सामान्य से 2.7 डिग्री ज्यादा के साथ 9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

मप्र में पारा 3 डिग्री, राजस्थान में 3.7 डिग्री पहुंचा, हरियाणा-बिहार में सर्दी बढ़ी

मध्य प्रदेश में पारा 3 डिग्री तक पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर 13 दिसंबर से दिखना शुरू होगा इससे और तेजी से तापमान गिरेगा। राजस्थान में भी पारा गिरने लगा है। राज्य के 20 से ज्यादा जिलों में मिनिमम टेम्परेचर 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। फतेहपुर सबसे ज्यादा ठंडा रहा, यहां तापमान 3.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में झरने जमने लगे हैं। चमोली-पिथौरागढ़ में पाइपलाइन में पानी जम गया। केदारनाथ में तापमान -15 डिग्री, बद्रीनाथ में -13 डिग्री चला गया। इधर हरियाणा में 4 जिलों में तापमान 7 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। 12 जिले ऐसे रहे जहां मिनिमम टेम्प्रेचर 10 डिग्री से कम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज 12 दिसंबर से राज्य में सर्दी में तेजी आएगी।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा की फर्जी कंपनी से राज्य की सात कंपनियों ने खरीदे सामान, आइटीसी का लिया लाभ

धनबाद, एजेंसी। ओडिशा की फर्जी कंपनी सीज सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा झारखंड की सात कंपनियों को कागजी तौर पर सामान बेचकर टैक्स की हेराफेरी का बड़ा मामला सामने आया है। इन सातों कंपनियों ने खरीद दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) का लाभ लिया और आगे आइटीसी पास-ऑन भी कर दिया। ओडिशा राज्य-कर कमिश्नर के अलर्ट नोटिस के आधार पर झारखंड राज्य-कर विभाग ने इसका त्वरित संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। राज्य-कर अपर आयुक्त के निर्देश पर धनबाद व जमशेदपुर की टीमों ने संबंधित कंपनियों के दस्तावेज, खरीद-विक्रय रिकॉर्ड, ई-वे बिल व टैक्स भुगतान विवरण की जांच शुरू कर दी है। अपर आयुक्त ने इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने का निर्देश है। सूत्रों के मुताबिक, फर्जी कंपनी ने करोड़ों रुपये की फर्जी बिलिंग कर झारखंड के नेटवर्क को सक्रिय रूप से इस्तेमाल किया। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि कंपनियों ने वास्तविक रूप से माल लिया भी था या सिर्फ कागजी लेनदेन कर आइटीसी का दुरुपयोग किया गया। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अपर आयुक्त के निर्देश के आलोक में जांच शुरू कर दी गयी है। शुरुआती जांच में कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

झारखंड में म्यूटेशन का ऑनलाइन आवेदन अपलोड होना बंद

रांची, एजेंसी। झारखंड भर के रैयत अपनी जमीन के म्यूटेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पा रहे हैं। प्रज्ञा केंद्रों में जाकर उन्हें लौटना पड़ रहा है। ऐसे में 15 दिन से अंचल कार्यालयों में म्यूटेशन के आवेदन ही नहीं पहुंच रहे हैं। इससे रैयतों के साथ ही अंचल कार्यालय और प्रज्ञा केंद्रों के संचालक भी परेशान हैं। रैयत बार-बार कभी अंचल कार्यालय तो कभी प्रज्ञा केंद्र दौड़ रहे हैं। प्रज्ञा केंद्र के संचालकों का कहना है कि सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण ऐसा हो रहा है। ऑनलाइन आवेदन भरते समय दो स्टेप तक सॉफ्टवेयर ठीक काम करता है, तीसरे स्टेप में डीड नंबर आदि की मांग की जाती है, यह भरते ही डज नोट मैच लिखते हुए एरर शो करने लगता है।इधर, अंचल कार्यालय के कर्मियों का कहना है कि झारनेट और एनआइसी के कारण यह स्थिति हो रही है। संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया है। केवल एनजीडीआरएस के माध्यम से संपत्ति रजिस्ट्री के बाद दस्तावेज म्यूटेशन के लिए अंचल कार्यालयों के पास पहुंच रहा है। यानी सुओ मोटो म्यूटेशन सिस्टम के तहत जो दस्तावेज भेजने हैं, केवल वही जा रहा है। बाकी म्यूटेशन के लिए कोई भी व्यक्ति प्रज्ञा केंद्रों या कहीं से भी आवेदन फाइल नहीं कर पा रहे हैं। लंबे समय से म्यूटेशन का कार्य प्रभावित है। अंचल कार्यालयों में जो नेट की कनेक्टिविटी उपलब्ध करायी गयी है, वह काफी धीमी है। इस कारण कम ही म्यूटेशन कार्यों का निबटारा हो रहा है। बड़ी संख्या में मामले लटकते जा रहे हैं।

यूपी के छात्र पर केस दर्ज, हुआ फरार

धनबाद, एजेंसी। एसएनएमएमसीएच में फर्जी प्रमाण पत्र देकर एमबीबीएस में नामांकन लेने वाले उत्तर प्रदेश के छात्र शुभम कुमार मिश्रा के खिलाफ बुधवार को सरायढेला थाना में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है. बता दें कि छह दिसंबर को काउंसेलिंग के अंतिम दिन यूपी के शुभम कुमार मिश्रा एमबीबीएस में नामांकन लेने पहुंचा था. अंतिम दिन होने की वजह से उसे नामांकन दे दिया गया था. शुभम द्वारा कॉलेज में जमा कराये गये इडब्ल्यूएस व आवासीय प्रमाण पत्र गिरिडीह से बना था. वहीं, शैक्षणिक डिग्रियां यूपी की थी. इस पर कॉलेज प्रबंधन को शक हुआ था. मेडिकल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य सह अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया ने छात्र द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के लिए एक टीम बनायी. टीम सोमवार को गिरिडीह पहुंची. गिरिडीह जिला प्रशासन के सहयोग से प्रमाण पत्रों की जांच में इडब्ल्यूएस व आवासीय प्रमाण पत्र फर्जी पाये गये. इधर, नामांकन लेने के बाद से छात्र फरार है. इस सत्र में एमबीबीएस में नामांकन लेने पहुंचे अब तक दो विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र फर्जी मिले हैं. इससे पहला गोड्डा की छात्रा सुचारिता दत्ता द्वारा प्रस्तुत जाति प्रमाण पत्र जांच में फर्जी पाया गया था. मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने छात्रा के खिलाफ सरायढेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए उसका नामांकन रद्द कर दिया था. अब तक यूपी के छात्र का प्रमाण पत्र फर्जी पाया गया. एमबीबीएस में नामांकन के लिए सभी काउंसेलिंग की तिथियां समाप्त हो चुकी हैं. फर्जी प्रमाण पत्र देकर नामांकन प्राप्त करने वाले छात्र का एडमिशन रद्द करने के बाद एसएनएमएमसीएच में एमबीबीएस की एक सीट रिक्त हो गयी है. एनएमसी की गाइडलाइन के अनुसार खाली सीट को स्पेशल काउंसेलिंग में भरा जायेगा. इसके लिए जल्द ही तिथि की घोषणा की जायेगी.

वन भूमि घोटाले के गिरफ्तार आरोपित विनय सिंह की पत्नी की तलाश में दिल्ली में एसीबी का छापा,

रांची, एजेंसी। हजारीबाग के बहुचर्चित वन भूमि घोटाले की नामजद आरोपित स्निग्धा सिंह फरार हैं। उनकी तलाश में एसीबी के अधिकारियों की एक टीम ने गुरुवार की तड़के चार बजे दिल्ली में छापेमारी की। दिल्ली के बसंत विहार और केंद्रीय संयुक्त सचिव के आवास पर छापेमारी हुई है। एसीबी ने स्निग्धा सिंह के बेटे सनत सिंह को पूछताछ के लिए उठाया है। उससे पूछताछ चल रही है। इससे पहले रविवार को एसीबी ने लखीसराय में भी छापेमारी की थी। स्निग्धा सिंह नेक्सजेन आटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की पत्नी हैं और वन भूमि घोटाला केस में एसीबी थाना हजारीबाग में दर्ज नामजद आरोपितहैं। विनय सिंह उक्त केस में गिरफ्तार हैं और वर्तमान में हजारीबाग के जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में बंद हैं।

विनय सिंह निलंबित आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के सहयोगी हैं, जिनपर विनय कुमार चौबे के काले धन के निवेश का भी आरोप हैं। उनके एक भाई बिहार में एमएलसी हैं। एसीबी रांची में दर्ज शराब घोटाला केस में भी निलंबित आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के साथ-साथ विनय सिंह भी आरोपित हैं। विनय के प्रत्येक अपराध में एसीबी ने उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह को भी बराबर का आरोपित माना है।

एसीबी हजारीबाग व एसीबी रांची के अधिकारियों की एक टीम रविवार की सुबह स्निग्धा सिंह की तलाश में विनय सिंह के पैतृक गांव बिहार के लखीसराय जिले के नयासराय स्थित उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की थी। उनका कुछ पता नहीं चल सका था। एसीबी की टीम को तकनीकी सेल से जानकारी मिली थी की स्निग्धा सिंह दिल्ली में हैं। एसीबी के पहुंचने से पहले हैं स्निग्धा सिंह वहां से फरार हो गईं। छापेमारी में मौके से कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।उन उपकरणों का सत्यापन चल रहा है। एसीबी ने स्निग्धा सिंह के बेटे सनत सिंह को गिरफ्तार नहीं किया है। पूछताछ की जा रही है। वे एसीबी को जांच में सहयोग कर रहे हैं।

बेनामी धन से खरीदी गई है बसंत बिहार की संपत्ति: एसीबी ने जांच में पाया है कि दिल्ली के बसंत विहार में खरीदी गई नई संपत्ति सी - 24, बेनामी धन से खरीदी गई है। इस अचल संपत्ति का उपयोग कथित रूप से बेनामी धन के संचालन और गैर कानूनी गतिविधियों को छिपाने के लिए किया जा रहा था प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि विनय चौबे की अवैध कमाई इसी संपत्ति के माध्यम से घुमाई जा रही थी। ऐसी भी को शक है कि इस छापेमारी में विनय चौबे और विनय सिंह के मनी लांड्रिंग केविस्तृत ट्रेल, हजारीबाग वन भूमि घोटाले की साजिश से संबंधित जानकारी, शराब घोटाले में अवैध धन का लेनदेन और विनय चौबे की बेनामी संपत्तियों के नेटवर्क की जानकारी मिलेगी। जप्त डिजिटल दस्तावेज की छानबीन में बहुत सी जानकारी स्पष्ट होगी। एसीबी के अनुसार कार्रवाई तेज है और निर्णायक प्रगति की ओर है। आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

वन भूमि घोटाले की नामजद आरोपित स्निग्धा सिंह को एसीबी ने उक्त केस में एक के बाद एक कई नोटिस भेजा और पूछताछ के लिए एसीबी हजारीबाग स्थित कार्यालय में बुलाया। लगातार नोटिस के बावजूद वह एसीबी के सामने उपस्थित नहीं हुईं। इसके बाद एसीबी ने स्निग्धा सिंह का गिरफ्तारी वारंट निकाला है और उनकी तलाश कर रही है। स्निग्धा सिंह फिलहाल फरार हैं। एसीबी उनसे वन भूमि घोटाला के साथ-साथ शराब घोटाला मामले में भी पूछताछ करना चाह रही है। निलंबित आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के कार्यकाल में विनय सिंह प्रत्येक अपराध में साथ रहे, इसमें स्निग्धा सिंह भी शामिल रहीं।

हजारीबाग में विनय चौबे के डीसी रहते निबंधित हुई थी जमीन : हजारीबाग में आइएएस विनय कुमार चौबे के उपायुक्त के कार्यकाल में ही वन भूमि का निबंधन व जमाबंदी विनय सिंह व उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम पर हुआ था। इस मामले में एसीबी ने सबसे पहले आइएएस विनय कुमार चौबे को गिरफ्तार किया। इसके बाद उनके सहयोगी विनय कुमार सिंह, तत्कालीन अंचलाधिकारी शैलेश कुमार आदि की गिरफ्तारी हुई है। दो दिन पहले इस मामले में आठ अन्य भी गिरफ्तार हुए हैं।

चालू वित्तीय वर्ष में आयेगी बीसीसीएल का आइपीओ

धनबाद, एजेंसी। कोल इंडिया चेयरमैन सनोज कुमार झा ने कहा कि बीसीसीएल व सीएमपीडीआइ का आइपीओ चालू वित्तीय वर्ष में ही आयेगा। हालांकि तकनीकी कारणों से अभी तिथि बताना संभव नहीं है। चेयरमैन श्री झा बुधवार को बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कोयला डिस्पैच में कमी के सवाल पर चेयरमैन श्री झा ने कहा कि पावर सेक्टर से करीब 5 फीसदी की कमी आई है। साथ ही लंबे मॉनसून के कारण कोयला डिस्पैच में कमी आई है। हालांकि इससे कोल इंडिया के सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वर्तमान में पावर प्लांटों के पास 91 मिलियन टन व कोल इंडिया के पास भी करीब 90 मिलिटन टन से अधिक कोयले का स्टॉक है।कोल इंडिया चेयरमैन ने कहा कि भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करने को लेकर कोल इंडिया गंभीर है। बीसीसीएल इस कार्य में जेआरडीए व जिला प्रशासन को पूरा सहयोग करेगा।

सरायकेला के रापचा मोड़ पर भीषण सड़क हादसा

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेला जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र के रापचा मोड़ पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पावर ग्रिड के सामने बालू लदे हाइवा और एलटी 407 के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें एलटी 407 का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सुबह करीब 8 बजे हुई, जब हाइवा मुख्य सड़क से मुड़कर बाईं ओर स्थित सर्विस रोड में प्रवेश कर रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एलटी 407 ने अचानक नियंत्रण खो दिया और हाइवा के पिछले हिस्से में तेज रफ्तार से जा भिड़ी। सह-चालक रिंकू सिंह ने बताया कि एलटी 407 की रफ्तार काफी अधिक थी और ओवरटेकिंग के प्रयास में चालक वाहन को संभाल नहीं पाया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि एलटी 407 का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद वाहन के केबिन का अगला हिस्सा पूरी तरह दब गया, जिसमें चालक स्टीयरिंग और लोहे की चादरों के बीच फंस गया था। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कई मिनटों की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। घायल चालक को पहले स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद हालत गंभीर होने के कारण उसे जमशेदपुर के टाटा मुख्य अस्पताल (ज्ञरू॥) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के मुताबिक चालक की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रापचा मोड़ पर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और रफ्तार के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही गम्हरिया थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और गलत ओवरटेकिंग को दुर्घटना का मुख्य कारण बताया गया है। पुलिस का कहना है कि चालक के बयान के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह सामने आ पाएगी।

साइबेरियन डक से भरा गिरिडीह का खंडोली डैम

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह का लोकप्रिय पर्यटन स्थल खंडोली डैम इन दिनों प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार है। सर्दियों की शुरुआत होते ही साइबेरियन डक समेत कई विदेशी पक्षियों ने यहां डेरा डाल दिया है। हर साल की तरह इस बार भी करीब 4 हजार किलोमीटर का कठिन सफर तय कर ये पक्षी खंडोली के शांत और स्वच्छ जलाशय में पनाह ले रहे हैं।

सुबह की रोशनी में जब ये पक्षी झील की लहरों के बीच उड़ान भरते हैं, तो नजारा किसी प्राकृतिक उत्सव जैसा मनमोहक हो उठता है।

साइबेरिया में सर्दियों के दौरान तापमान -30एष्ट तक गिर जाता है। झीलें जम जाती हैं और भोजन का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में ये पक्षी गर्माहट और भोजन की तलाश में एशिया के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों की ओर बढ़ते हैं। दिसंबर से फरवरी तक ये खंडोली डैम में निवास करते हैं। जैसे ही साइबेरिया में बर्फ पिघलने लगती है, ये अपने मूल घर की ओर वापस लौट जाते हैं। इस बीच खंडोली का शांत वातावरण, स्वच्छ जल और पर्याप्त भोजन इन्हें लंबे प्रवास के लिए सुरक्षित और अनुकूल आश्रय देता है।

अब तक खंडोली और आसपास के जलक्षेत्र में 82 से अधिक प्रवासी और स्थानीय पक्षी प्रजातियों की मौजूदगी दर्ज हो चुकी है। इनमें हेडेड गूज, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, नॉर्दर्न पिनटेल, ग्रे-लेग गूज, कॉमन पोचार्ड, व्हाइट वैगटेल, ग्रेट क्रेस्टेड ग्रीव, स्नो क्रॉन, रूबी थ्रोट और ग्रास हॉपर जैसी अहम प्रजातियां शामिल हैं।

साइबेरियन डक सर्वाहारी होते हैं और जलकुंभी, कीट-पतंगे, शैवाल, जलीय पौधों, मछलियों के अंडों और छोटी मछलियों से अपना भोजन जुटाते हैं। यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में ये पक्षी यहां लौटते हैं और लोगों के लिए एक अनोखा प्राकृतिक अनुभव लेकर आते हैं।

स्थानीय निवासी अवनीश अंशु बताते हैं कि ठंड की शुरुआत के साथ ही इन प्रवासी पक्षियों की आवाजें पूरे क्षेत्र को जीवंत कर देती हैं। पर्यटक नौकाविहार करते हुए इन विदेशी मेहमानों को निहारते हैं। पिकनिक मनाने पहुंचे परिवार पक्षियों की उड़ान, तैराकी और झुंडों में उनके खेलते व्यवहार को कैमरे में कैद करने में जुटे रहते हैं। ठंड के दिनों में खंडोली डैम केवल एक पर्यटन स्थल नहीं रह जाता, बल्कि प्रवासी पक्षियों का सुरक्षित आश्रय भी बन जाता है।

पलामू के एनवा मैनवा जंगल मे पकड़ी गई शराब की फैक्ट्री ! बिहार जाती थी अवैध शराब

पलामू, एजेंसी। पाकी थाना क्षेत्र के सालिमदिरी के एनवा मैनवा जंगल से एक अवैध शराब की फैक्ट्री पकड़ी गई है। फैक्ट्री का बिहार कनेक्शन निकलकर सामने आया है। अवैध फैक्ट्री में तैयार कर शराब को बिहार के इलाके में सप्लाई किया जाता है। पुलिस ने अवैध शराब के फैक्ट्री संचालन के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि भारी मात्रा में शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को बरामद किया है।

पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार से पांकी के बलियारी होते हुए बिहार के इलाके में शराब की सप्लाई होने वाली है। इसी सूचना के आलोक में पुलिस ने पांकी में गाड़ियों की तलाशी शुरू की थी। इसी क्रम में एक कार से 28 पेटी अवैध शराब को बरामद किया गया। कार सवार व्यक्तियों से पुलिस ने जब पूछताछ की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए हुए। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने पांकी थाना क्षेत्र के सालमदिरी के एनवा मैनवा जंगल में अवैध शराब की फैक्ट्री को पकड़ा। जबकि मौके से फैक्ट्री का संचालन करने वाले दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अवैध शराब के मामले में पांकी थाना क्षेत्र के बंगलाडीह के आरिफ अंसारी, एजाज आलम, लातेहार के बरवैया के राहुल प्रसाद, पलामू के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले सुनील प्रसाद को गिरफ्तार किया है।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि घने जंगल में एक कच्चे घर से शराब की फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी राहुल प्रसाद और सुनील प्रसाद पहले भी शराब बनाने के मामले में आरोपी रहे हैं। सुनील प्रसाद के घर में पहले भी शराब की फैक्ट्री पकड़ी गई थी। एसपी ने बताया कि पूरे मामले में पुलिस को कई जानकारी मिली है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छापेमारी में लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा, पांकी इंस्पेक्टर पूनम टोप्पो, पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन, सब इंस्पेक्टर आशुतोष रजक समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे। छापेमारी अभियान में रामनारायण विश्वकर्मा, राकेश सिंह, रोहित कुमार, सूर्यनाथ सिंह, प्रफुल्ल सिंह एवं जयंत दुबे की भूमिका महत्वपूर्ण थी।

पलामू के मेदिनीराय अस्पताल में झाड़-फूंक ! गंभीर स्थिति में मरीज को कराया गया था भर्ती

पलामू, एजेंसी। जिले के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ऑनलाइन झाड़-फूंक करने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति के परिजन ऑनलाइन तरीके से मरीज का झाड़-फूंक करवा रहे थे। यह देख डॉक्टर के द्वारा हस्तक्षेप किया गया और कार्रवाई की धमकी दी गई। जिसके बाद परिजनों ने झाड़-फूंक को बंद करवाया।

दरअसल, लातेहार के बरवाडीह के रहने वाले संतन भुईयां की रविवार को तबीयत खराब हो गई थी। संतन का ब्रेन पैरालाइज हो गया। गांव में ही परिजन उसकी झाड़-फूंक करवा रहे थे। इसी क्रम में हालत गंभीर हो गई तो बुधवार को परिजन संतन को लेकर मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचे थे।

संतन को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया। जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे। इसी क्रम में बुधवार को गांव के ही एक तांत्रिक से वीडियो

कॉल एवं ऑडियो कॉल के माध्यम से परिजन संतन का झाड़-फूंक करवा रहे थे कि तभी डॉक्टर आरके रंजन मेडिकल कॉलेज में रूटिंग विजिट पर थे। विजिट के दौरान उन्होंने देखा कि एक मरीज की ऑनलाइन झाड़-फूंक करवाई जा रही है। यह देख डॉ आरके रंजन ने परिजनों को समझाने की कोशिश की, बावजूद परिजन नहीं मान रहे थे। इसके बाद डॉक्टर ने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी तो परिजनों ने झाड़-फूंक को बंद करवाया। इस मामले में डॉ आरके रंजन ने बताया कि वे रूटिंग विजिट पर थे। इसी दौरान उन्होंने झाड़-फूंक करवाते देखा। फिलहाल पूरे मामले में परिजनों को समझा दिया गया है।

आरपीएफ ने 60 कछुए बचाए, दो तस्कर गिरफ्तार: उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे थे कछुए

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 60 कछुओं को तस्करी से बचाया है। यह कार्रवाई गाड़ी संख्या 13010 (योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस) के जनरल कोच में की गई, जहां से दो कछुआ तस्कर राम दास और हिमांशु वैध को गिरफ्तार किया गया। ये कछुए उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे थे।

गिरफ्तार तस्करों ने पूछताछ में बताया कि वे पिछले दो वर्षों से कछुओं की तस्करी कर रहे हैं और महीने में दो से तीन बार यह काम करते हैं। वे इन कछुओं को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित अतरुलिया थाना क्षेत्र में पत्तल बनाने वाले मुशहर समुदाय के लोगों से 120 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदते थे। इसके बाद, उन्हें पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले

में कार्तिक साहा नामक व्यक्ति को बेचा जाता था।

आरपीएफ ने गिरफ्तार किए गए तस्करों को आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया है। वन विभाग ने बरामद कछुओं को संरक्षण प्रदान किया है और दोनों तस्करों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस अभियान में शामिल आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि वे कछुआ तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं और लोगों को इस संबंध में जागरूक कर रहे हैं।

हजारीबाग में शाहनवाज के घर 200 पुलिस कर्मियों के साथ एनआईए का छापा, टेरर फंडिंग और दिल्ली ब्लास्ट कनेक्शन की आशंका

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई एक बार फिर तेज हो गई है। गुरुवार सुबह एनआईए की तीन गाड़ियों का बेड़ा पेलावल थाना क्षेत्र स्थित एक घर पर पहुंचा, जहां टीम ने घर के सदस्यों से बंद कमरे में पूछताछ शुरू की।

सुबह लगभग 5:00 बजे, एनआईए की एक विशाल टीम ने पेलावल क्षेत्र में आवास पर अचानक छापा मारा। इस कार्रवाई में एनआईए के साथ 200 से अधिक पुलिस बल शामिल रहे। इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल और एटीएस की टीम भी तैनात रही।

सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की जा रही है। शाहनवाज को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अक्टूबर 2023 में पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में गिरफ्तार किया था। वह मूल रूप से हजारीबाग का निवासी है।

इससे पहले 2019 में वह हजारीबाग में डकैती और चोरी के कई मामलों में जेल भी जा चुका है। 2020 में जमानत मिलने के बाद उसके आईएस मॉड्यूल से जुड़ने की बात सामने आई थी। पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद एनआईए ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

बताया जाता है कि शाहनवाज आलम उर्फ सफीउज्जमा ने पुणे के जंगलों में आतंकी प्रशिक्षण भी लिया था। इसी मामले में मिले ताजा इनपुट के आधार पर एनआईए की टीम हजारीबाग पहुंची है।

छापेमारी पूरी तरह गोपनीय ढंग से की जा रही है। अधिकारी किसी भी तरह की जानकारी साझा करने से बच रहे हैं। अंदर मौजूद एक वृद्ध व्यक्ति से भी लगातार पूछताछ जारी है।

सूत्रों ने यह भी बताया कि कार्रवाई के दौरान टीम ने नाश्ता मंगाया और एक गैस सिलेंडर भी अंदर ले जाया गया है। संभावना जताई जा रही है कि कुछ सामग्री गैस कटर की मदद से काटकर निकाली जा सकती है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मौके पर कार्रवाई जारी है और एनआईए की टीम घर के भीतर क्या खोज रही है, इसे लेकर स्थानीय लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

कार में तीन मवेशी ले जा रहे थे तस्कर, पुलिस को देख भागे

धनबाद, एजेंसी। बैंक मोड़ पुलिस ने बुधवार की अह सुबह पशु तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। पुलिस को देखते ही तस्कर एक कार में लदे तीन गौवंशीय पशुओं को छोड़कर फरार हो गये। पुलिस ने कार (जेएच 10 एई 4311) तथा एक गाय व दो बछड़ों को जब्त कर लिया है। फिलहाल अज्ञात पशु तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के अनुसार अल सुबह धनसार की ओर से झरिया रोड की तरफ एक कार, जिस पर प्रेस का बोर्ड लगा था, काफी तेज व लापरवाही से आ रही थी। संदेह होने पर पुलिस ने गाड़ी को रोकने का संकेत दिया। इस पर चालक कार की रफ्तार तेज कर पुलिस को चकमा देकर भागने लगा। इस क्रम में कार श्रीराम प्लाजा के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी। टक्कर के तुरंत बाद उसमें सवार तीन लोग कार छोड़कर भाग गये। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो उसमें एक गाय व दो बछड़े लदे मिले। पुलिस जांच में सामने आया कि कार का नंबर कतरास थाना क्षेत्र के कपड़ा पट्टी, कतरासगढ़ से जुड़ा है। वाहन का रजिस्ट्रेशन राज कुमार चौधरी के नाम पर है। पुलिस नंबर असली या फर्जी होने की जांच कर रही है।

हाईकोर्ट का निर्देश:छात्राओं से छेड़खानी मामले पर 2 दिन में कमेटी बनाएं

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को महिलाओं और छात्राओं के खिलाफ बढ़ते अपराध पर रोक लगाने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के सुझाव पर कमेटी का गठन नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई। अदालत ने सरकार से पूछा कि झालसा के सुझाव पर अब तक कमेटी का गठन क्यों नहीं किया गया। सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया और कमेटी बनाने के लिए चार सप्ताह का समय देने की मांग की गई। इस पर अदालत ने नाराजगी जताई। कहा कि अब कोई अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा। अदालत ने दो दिनों में कमेटी का गठन करने का निर्देश देते हुए कहा कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो सरकार के खिलाफ अवमानना का मामला शुरू किया जाएगा। अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं पर शपथपत्र दाखिल किया गया। अदालत ने प्रार्थी को इस पर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया।

जवाब से संतुष्ट नहीं, फिर बुला सकता है एसीबी:पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित कुमार से भी की गई पूछताछ

रांची, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राज्य में हुए शराब घोटाला मामले में बुधवार को भी उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित कुमार से पूछताछ की। आईएएस अधिकारी अमित कुमार ने अबतक जो जानकारी दी है, एसीबी उसकी समीक्षा करेगी। एसीबी सूत्रों के अनुसार, आगे भी उनसे इस मामले में पूछताछ हो सकती है। क्योंकि एसीबी अब भी अमित कुमार के जवाब से संतुष्ट नहीं हुई है। उनसे चार दिन पूछताछ हुई, इस दौरान फर्जी बैंक गारंटी देने वाली प्लेसमेंट एजेंसियों, नई उत्पाद नीति के संबंध में सवाल किए गए। एसीबी राज्य की उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ की ब्लैकलिस्ट प्लेसमेंट एजेंसियों, शराब कारोबारियों को काम मिलने के मामले में जानकारी चाह रही है। अब जल्द ही छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारियों से भी एसीबी पूछताछ करेगी, ताकि अब तक की छानबीन में सामने आए तथ्यों से उनके बयान का मिलान कराया जा सके।

सड़क दुर्घटना में झरिया के फल विक्रेता की मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड किसान चौक के पास बुधवार की दोपहर अज्ञात वाहन की चपेट आने से झरिया निवासी फल विक्रेता सुरेश साव (50) की मौत हो गयी. सूचना पाकर पर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. बताया जाता है कि सुरेश साव अपनी ससुराल साबलपुर में रहता था. बुधवार को वह फल खरीदने कृषि बाजार जा रहा था. इसी दौरान किसान चौक के पास सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में लिया. लोगों ने बताया कि चारपहिया वाहन ने सुरेश साव को दो बार धक्का मारा. फिर घसीटकर कुछ दूर ले गया. इससे मौके पर उसकी मौत हो गयी. घटना के बाद अज्ञात वाहन गोविंदपुर की ओर फरार हो गया.

जम्मू-कश्मीर में कोडरमा के जवान ने खुद को मारी गोली, शाम तक गांव पहुंचेगा पार्थिव शरीर

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर गांव का बेटा और सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह (27) ने जम्मू-कश्मीर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बुधवार देर रात लगभग 11 बजे यह घटना घटी।

स्थानीय ग्रामीणों और जवान के परिजन को गुरुवार सुबह घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। स्वजन के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, वहीं गांव का माहौल गमगीन है।

जानकारी के अनुसार, सुजीत सिंह देवीपुर पंचायत के बाभन टोला निवासी थे। उनके पिता सिकंदर प्रसाद सिंह किसान होने के साथ समाजसेवी भी हैं, जबकि मां इलमा देवी गृहिणी हैं। सुजीत का चयन वर्ष 2023 में सीआरपीएफ में हुआ था। सुजीत की बहाली हुए अभी महज दो साल का समय गुजरा हे।

सुजीत का बड़ा भाई भी सीआरपीएफ में जवान है उसकी बहाली वर्ष 2021 में हुई थी। नौ माह पूर्व ही सुजीत की शादी गिरिडीह जिले के मिर्जागंज के बदडीहा गांव में हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि परिवार के सदस्य स्तब्ध और शोकाकुल हैं।

बताया गया है कि सुजीत का पार्थिव शरीर आज (गुरुवार) शाम तक मरकच्चो पहुंचने की संभावना है। स्वजन और प्रशासन की ओर से जवान के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जा रही है।

मृतक सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह ने ऐसा घातक कदम क्यों उठाया इस संबंध में और अधिक जानकारी प्राप्त होने का इंतजार है।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आखिरी दिन

विपक्ष ने छात्रवृत्ति और धान खरीद को बनाया मुद्दा, सरकार पर उठे कई सवाल

रांची, एजेंसी। शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन झारखंड विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू हुई। शुरुआत में ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रवृत्ति के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हजारों छात्र परेशान हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

मरांडी ने मांग की कि सरकार इस मामले की तुरंत जांच कराए। इसके साथ ही उन्होंने धान खरीद में हो रही गड़बड़ियों का सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने सदन में सरकार से पूछा कि तिलैया नहर योजना का डीपीआर आखिर कब तैयार होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए डीपीआर बनाने का फैसला 2014-15 में लिया गया था, लेकिन अब तक कागजी प्रगति भी पूरी नहीं हो सकी है।

वहीं, विधायक सुरेश बैठा ने स्मार्ट मीटर से जुड़े अनियमित बिलों का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि गरीब उपभोक्ताओं को अचानक बढ़े हुए बिजली बिल मिल रहे हैं, जिसकी वजह से लोग परेशान हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने आश्वासन दिया कि जहां भी गड़बड़ी की जानकारी मिलेगी, तुरंत जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रांची के विधायक सीपी सिंह ने पीडीएस दुकानदारों को लंबे समय से कमीशन नहीं मिलने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के लगभग 25 हजार पीडीएस दुकानदार महीनों से भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि मामला केंद्र सरकार के पोर्टल से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि तकनीकी जटिलताओं की वजह से भुगतान प्रक्रिया में देरी हुई है, लेकिन जल्द ही सभी दुकानदारों को कमीशन दे दिया जाएगा।

ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी केंद्र की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सहयोग न मिलने से कई ग्रामीण योजनाएं अटकी पड़ी हैं और केंद्र के मंत्री राज्य की समस्याओं पर चर्चा के लिए समय नहीं दे रहे।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपए के बकाया मामले पर अधिकारियों की कमेटी बनाकर चर्चा आगे बढ़ाने का भरोसा दिया था। लेकिन कई महीनों के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बकाये की वसूली राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए बेहद जरूरी है और केंद्र को इस पर जल्द कदम उठाना चाहिए।

मंईयां सम्मान योजना की राशि आएगी जल्द, एक साथ पांच हजार रुपये मिलेंगे

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को क्रिसमस से पहले नवंबर और दिसंबर माह की राशि देने की तैयारी है। लाभुकों को एक साथ पांच हजार रुपये मिलेंगे। राशि ट्रांसफर करने को लेकर जिला स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। राज्य में लगभग 51 लाख महिलाओं को प्रति माह योजना की राशि मिल रही है। ज्ञात हो कि सितंबर की राशि दुर्गा पूजा से पहले और अक्तूबर की राशि दीपावली और छठ से पहले दी गयी थी।

अगर आप मइयां सम्मान योजना के सभी जरूरी मापदंडों पर खरी उतरती हैं, तो आप इस योजना का लाभ पाने के योग्य हैं। लेकिन कई बार योग्य होने के बाद भी पैसे खाते में नहीं आते। ऐसे में सबसे पहले बैंक जाकर यह सुनिश्चित करें कि आपका खाता आधार कार्ड से लिंक है या नहीं, क्योंकि यही सबसे आम समस्या होती है। इसके अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन (ई-केवाईसी) न होने पर भी भुगतान रुक सकता है। अगर ये दोनों बातें सही हैं, तो फिर किसी तकनीकी कारण से राशि आने में देरी हो सकती है।

कुछ महीने पहले मइयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाओं का सत्यापन किया गया था। इस दौरान हजारों महिलाओं के नाम हटाए गए, क्योंकि वे योजना के निर्धारित नियमों के अनुसार योग्य नहीं थीं। योजना का लाभ पाने के लिए कुछ जरूरी मापदंड तय किए गए हैं, और केवल वही महिलाएं लाभ के लिए पात्र मानी जाती हैं, जो इन सभी शर्तों को पूरा करती हैं।

कुमारधुबी स्टेशन पर ठहरने लगेंगी ट्रेनें! रेल मंत्री के आश्वासन से इलाके के लोगों में जश्न

चिरकुंडा (धनबाद), एजेंसी। कुमारधुबी रेलवे स्टेशन पर धनबाद के सांसद ढुलू महतो के प्रयास से जल्द ही धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित द्रुतगामी कई ट्रेनों का ठहराव किया जाएगा। भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह ने सांसद से कुमारधुबी स्टेशन पर धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की मांग की थी।

जयप्रकाश ने कहा था कि इस ट्रेन के ठहराव हो जाने से निरसा-चिरकुंडा क्षेत्र के यात्रियों को बिहार जाने व आने में काफी सुविधा होगी। उनकी मांग को सांसद ने गंभीरता से लिया और रेल मंत्री से कुमारधुबी स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव देने की अपील की। इस पर रेल मंत्री ने सांसद को सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया।

इधर जयप्रकाश सिंह को बताया कि सांसद ढुलू महतो ने आश्वासन दिया है कि कुमारधुबी स्टेशन पर धनबाद-पटना इंटरसिटी, रांची-जयनगर, दक्षिण भारत के लिए जाने वाली ट्रेनें, शब्दभेदी एक्सप्रेस और शिप्रा एक्सप्रेस, आसनसोल-भोजुडीह ईएमयू सहित कई ट्रेनों का जल्द ठहराव होगा। इधर भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह व दशरथ साव के नेतृत्व में बुधवार को क्षेत्र के भाजपाइयों ने कुमारधुबी स्टेशन पर 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम कर केंद्र सरकार की अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना का जश्न मनाया। इस योजना के तहत झारखंड के 14 स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है। जिसमें कुमारधुबी स्टेशन भी शामिल है।

भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह ने कहा कि इस योजना से क्षेत्र के लोगों को कई सुविधाएं मिलेगी। जिसमें दुर्गामी ट्रेनों का ठहराव भी शामिल है। इस योजना से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और कुमारधुबी रेलवे स्टेशन देश के सर्वश्रेष्ठ स्टेशनों में गिना जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया और नारे लगाए।

गिरिडीह नगर निगम कर्मी भूख हड़ताल पर, पांच सूत्री मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन, कहा- सालों से लंबित है मांग

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह नगर निगम के कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर निगम परिसर में एक दिवसीय भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन झारखंड लोकल बॉडीज इम्प्लॉइज फेडरेशन के बैनर तले आयोजित किया गया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर ठोस कार्रवाई न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर फेडरेशन के वरिष्ठ पदाधिकारी अशोक कुमार सिंह, चन्द्रमोहन मंडल और इंद्रजीत पांडेय सहित कई कर्मचारी नेता उपस्थित थे। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा कई बार आश्वासन देने, विभिन्न स्तरों पर बैठकों और मंत्रियों के साथ लिखित समझौतों के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने अपनी पांच सूत्री मांगों का विवरण दिया। इनमें दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का नियमितीकरण, वेतन संरचना में सुधार, सेवा शर्तों को स्पष्ट और व्यावहारिक बनाना, पदोन्नति नीति लागू करना और कार्यस्थल पर सुविधाओं में बढ़ोतरी शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि ये मांगें वर्षों

से लंबित हैं। भूख हड़ताल में बड़ी संख्या में निगम कर्मी शामिल हुए। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कर्मचारियों ने बताया कि नगर निगम शहर की सफाई, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सेवाओं का दैनिक रूप से संचालन करता है, लेकिन इसके बदले उन्हें पर्याप्त सुविधाएं और स्थायी सुरक्षा नहीं मिल रही है।

इस भूख हड़ताल के कारण नगर निगम का सामान्य कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। कई विभागों में काम ठप पड़ गया, जिससे कार्यालयों में आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। अधिकारियों की अनुपस्थिति और बंद काउंटरों का सीधा असर आम जनता को मिलने वाली सेवाओं पर भी पड़ा।

कर्मचारी संघ के अशोक सिंह ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द समाधान नहीं निकाला, तो आने वाले दिनों में वे कार्य बहिष्कार और अनिश्चितकालीन आंदोलन जैसे कड़े कदम उठाने को मजबूर होंगे।

कृषि एवं किसानों की समृद्धि को लेकर सिद्धोकोफेड की बैठक

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएं हैं। किसानों को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों को फसलों का उचित दाम मिले और समय पर भुगतान हो, ऐसी व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड विधानसभा में सिद्धो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धोकोफेड) के निदेशक मंडल की चतुर्थ बैठक हुई।

इस दौरान सीएम ने किसानों के लिए स्पेशल मोबाइल ऐप एवं कृषि पोर्टल विकसित करने का निर्देश दिया। कहा कि किसान पाठशाला और वीडियो आधारित प्रशिक्षण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती के प्रत्येक चरण में उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण से लेकर विपणन तक पूर्ण सहयोग प्रदान करना है। सरकार आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, बेहतर सिंचाई सुविधा और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण और चेक डैमों की मरम्मत एवं देखरेख की आवश्यकता पर बल दिया। सुझाव दिया कि इन जल

संरचनाओं की देखरेख की जिम्मेदारी किसान समूहों या जल सहिया समितियों को सौंपी जाएं, ताकि स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही, दोनों सुनिश्चित हो सकें। इस पहल से ग्रामीण आजीविका को भी स्थायी आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के वनोपज उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस एवं निर्णायक पहल कर रही है।

बैठक में सिद्धकोफेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के लिए विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, बजट एवं कार्य योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान लाह, बीज, तसर सहित राज्य के प्रमुख कृषि वनोपज उत्पादों के उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा देने से संबंधित नीतिगत निर्णय लिए गए। बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कृषि सचिव अबु बक्कर सिद्दीक, जल संसाधन सचिव प्रशांत कुमार, कल्याण सचिव कृपानंद झा, उद्योग सचिव अरवा राजकमल भी उपस्थित थे।

अवैध बालू-कोयला खनन पर गरमाई राजनीति, निरसा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, विधानसभा में गूंजा मुद्दा

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अवैध कोयला और बालू कारोबार का मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। विपक्ष सरकार पर खनन माफियाओं को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए सदन में हंगामा कर रहा है, वहीं सरकार की ओर से आरोपों को नकारा जा रहा है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच निरसा थाना क्षेत्र में अवैध बालू ढुलाई का खेल जारी रहने की बातें सामने आई हैं। कई बालू घाटों से रात के अंधेरे में हाईवा और ट्रैक्टरों के जरिए बालू ढोकर भेजे जाने की गतिविधियां बताई जा रही हैं।

बीती देर रात निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा को अवैध बालू ढुलाई की गुप्त सूचना मिली। इसके बाद टीम गठित कर छापामारी की गई और अवैध बालू लदे एक हाईवा को पकड़कर थाने लाया गया। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार अवैध बालू संचालन का एक बड़ा नेटवर्क धनबाद के एक कुख्यात बालू माफिया द्वारा संचालित बताया जा रहा है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और भूमिका की जांच कर रही है।

कार्रवाई के बाद अवैध कारोबार से जुड़े कई लोगों के थाने के चक्कर लगाने की चर्चा है। वहीं घटना सामने आने के बाद राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सोती मां के बगल से नवजात गायब, जंगल से कपड़ा मिला, पुलिस के हाथ लगा अहम सबूत

चतरा, एजेंसी। लावालौंग के कदहे गांव से सोती मां के पास से नवजात की रहस्यमयी चोरी के बाद पुलिस ने तलाश अभियान और तेज कर दिया है। बुधवार की रात और गुरुवार सुबह पुलिस की कई टीमें अलग-अलग दिशाओं में निकलकर बच्चे की खोज में जुटी रहीं।

आसपास के जंगलों, पगडंडियों और संभावित मार्गों की सूक्ष्म तलाशी ली गई। एक स्थान से नवजात का कपड़ा मिला है। सूत्रों का कहना है कि कुछ और महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं। जिसके बाद नवजात की जल्द बरामदगी की संभावना बढ़ गई है।

पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल ने नवजात चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए लातेहार और पलामू जिले की पुलिस को भी अलर्ट किया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी गई है। गांव के कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाना लाया गया है।

चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े पुराने मामलों को भी खंगाला जा रहा है ताकि किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता की संभावना पर विचार किया जा सके। बुधवार दोपहर डाग स्क्वायड को दोबारा गांव लाया

गया। टीम ने लगभग दो किलोमीटर के दायरे में खोजबीन की। हालांकि कुत्ता एक स्थान पर बार-बार रुकता नजर आया। पुलिस उस स्थान की गतिविधियों की गहन जांच कर रही है।

कुछ लोगों की संदिग्ध आहट सुनी गई : ग्रामीणों के अनुसार देर रात गांव के बाहरी हिस्से में कुछ लोगों की संदिग्ध आहट सुनी गई थी। जिसे अब पुलिस एक महत्वपूर्ण सुराग के रूप में देख रही है। पीड़ित परिवार की स्थिति बेहद दयनीय बताई जा रही है। नवजात की मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव की महिलाओं ने घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना दी और बच्चे की सकुशल बरामदगी की प्रार्थना की। ग्रामीण भी पुलिस के लगातार प्रयासों से अब उम्मीद जताने लगे हैं।

टीमें लगातार काम कर रही : प्रमुख पति श्रवण रजक ने बताया कि पुलिस निरंतर क्षेत्र में कैंप कर रही है और गांव वालों से भी सूचना तंत्र को सक्रिय रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कार्रवाई आगे बढ़ी है, उससे लगता है कि मामला जल्द सुलझ जाएगा। थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण सुराग सामने आए हैं। उनका कहना है कि टीमें लगातार काम कर रही हैं। हर एंगल पर जांच की जा रही है। हमें भरोसा है कि बहुत जल्द नवजात को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा। कदहे गांव अभी भी भय और बेचैनी की स्थिति में है, लेकिन पुलिस की बढ़ी हुई सक्रियता ने लोगों में उम्मीद की एक नई किरण जगा दी है।

संक्षिप्त समाचार

समस्तीपुर में अज्ञात वाहन ने राजमिस्त्री को रौंदा, इलाज के दौरान पटना में तोड़ा दम

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में अज्ञात वाहन ने राजमिस्त्री को रौंद दिया। इलाज के दौरान पटना में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक मदन राम(48) मिर्जापुर गांव के वार्ड नंबर-9 के रहने वाले थे। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र की है। चचेरे भाई उमाशंकर राम ने बताया कि मदन राजमिस्त्री का काम करता था। बुधवार को काम खत्म करने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में पेट्रोल पंप के पास रूका। इस दौरान अज्ञात वाहन ने रौंद दिया।गंभीर हालत में स्थानीय लोगों ने रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल भेज दिया। यहां से पटना रेफर कर दिया। इलाज के दौरान पटना में जान चली गई। इसके बाद वापस समस्तीपुर लौट आए। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया।वहीं, इस संबंध में एएसपी संजय पांडे ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। हादसा किस वाहन से हुआ है, इसके बारे में अभी पता लगाया जा रहा है। पेट्रोल पंप के पास लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला जा रहा है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, छानबीन की जा रही है।

लापरवाही पर डीआईजी की बड़ी कार्रवाई, खगड़िया और बेगूसराय के आधा दर्जन पुलिस इंस्पेक्टरों पर गिरी गाज

खगड़िया, एजेंसी। जानलेवा हमले के आरोपितों की गिरफ्तारी में लापरवाही पर खगड़िया व बेगूसराय के आधा दर्जन पुलिस इंस्पेक्टरों पर डीआईजी आशीष भारती द्वारा कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।बुधवार को डीआईजी द्वारा खगड़िया व बेगूसराय के पुलिस इंस्पेक्टरों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में सामने आया कि बार-बार आदेश निर्देश देने के बाद भी जानलेवा हमले के वांछित आरोपितों की समुचित संख्या में गिरफ्तारी नहीं की गई। गिरफ्तारी हुई भी तो काफी कम संख्या में हुई, जबकि कई क्षेत्रों में ऐसे आरोपितों की संख्या काफी अधिक है।समीक्षा में तो यह भी सामने आया कि कई क्षेत्रों में एक भी ऐसे आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। डीआईजी ने माना कि यह इनकी अपराध नियंत्रण के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता को परिलक्षित करता है।डीआईजी आशीष भारती ने बताया कि उक्त त्रुटि को लेकर खगड़िया गोगरी के पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, बेगूसराय बलिया के इंस्पेक्टर राजेश कुमार, तेघड़ा इंस्पेक्टर संतोष कुमार, मझौल इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की सेवा पुस्तिका में एक-एक निंदन की सजा दी गई है।अन्य आधे दर्जन इंस्पेक्टरों को भविष्य के लिए सचेत किया गया है, जबकि बेगूसराय सदर इंस्पेक्टर बीरेंद्र यादव व बेगसराय नगर इंस्पेक्टर अर्चना कुमारी सिन्हा का वेतन धारित करते हुए जवाब तलब किया गया है।

युवक की पोल से बांधकर पिटाई, भीड़ ने बाइक भी तोड़ी

पटना, एजेंसी। पटना के अगवानपुर गांव में दबंगों की गुंडागर्दी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ असामाजिक तत्वों ने आकाश कुमार नामक युवक को पकड़कर न सिर्फ बिजली के खंभे से बांध दिया, बल्कि उसकी बेरहमी से पिटाई भी की। भीड़ ने युवक की बाइक को भी तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित आकाश कुमार ने बताया कि वह स्टेशन से नाश्ता कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में पहले से मौजूद 10-20 युवक उसे जबरन खींचकर ले गए और खंभे से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे घसीटकर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी आकाश के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है। ग्रामीणों और हमलावरों का आरोप था कि आकाश ने गांव में गोली चलाई थी, इसी शक में उसे पकड़कर पीटा गया। लेकिन पुलिस ने जांच के बाद इस दावे को खारिज कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ के चंगुल से युवक को मुक्त कर उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटनास्थल से फायरिंग का कोई सबूत या खोखा नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कानून हाथ में लेने वालों की पहचान की जा रही है।

एसटीईटी अभ्यर्थियों का बिहार बोर्ड ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

पटना, एजेंसी। बिहार में एसटीईटी अभ्यर्थियों ने आज बिहार बोर्ड ऑफिस का घेराव किया है। 20-25 कैंडिडेट्स बोर्ड ऑफिस गेट के बाहर नारे लगा रहे हैं। उनका कहना है कि रिवाइज्ड आंसर की तत्काल जारी हो और नोटिफिकेशन की तुरंत घोषणा की जाए। गेट के बाहर सभी कैंडिडेट्स हमारी मांगें पूरी करो के नारे लगा रहे हैं।अभ्यर्थियों का कहना है कि बिहार बोर्ड द्वारा जारी की गई उत्तर कुंजी (आंसर की) में कई गलतियां हैं, जिसके कारण हजारों परीक्षार्थियों के अंक प्रभावित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि कई सवालों के उत्तर गलत दिए गए हैं। अभ्यर्थियों ने पहले भी आंसर की पर आपत्ति दर्ज कराई थी और विरोध प्रदर्शन किया था, लेकिन अब तक रिवाइज्ड आंसर की जारी नहीं की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही :

22 महिलाओं का ऑपरेशन ठंड में फर्श पर सुलाया गया

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। बुधवार को फैमिली प्लानिंग ऑपरेशन के बाद 22 महिलाओं को अस्पताल में फर्श पर ही लिटा दिया गया। बुधवार रात दरभंगा का तापमान 10 डिग्री से नीचे था। ऑपरेशन के बाद न बेड मिला, न कंबल। अस्पताल की तरफ से मरीजों के लिए कड़ाके की ठंड में खुले बरामदे में फर्श पर सिर्फ गद्दे की व्यवस्था थी। मामला सदर पीएचसी का है। परिजन बताते हैं कि ऑपरेशन के बाद महिलाओं को विशेष देखभाल, साफ वार्ड, गर्माहट और मच्छरदानी जैसी अनिवार्य सुविधाओं की जरूरत होती है। लेकिन अस्पताल में न तो वार्ड उपलब्ध था और न जरूरी इंतजाम। चाय-पानी जैसी साधारण सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई गई। कई महिलाएं रातभर ठंड और दर्द से कराहती रहीं और परिजन असहाय होकर यह सब देखते रहे।

सरकार कुछ नहीं करती है सिर्फ बोलती है: परिजन मीना देवी ने बताया कि, कंबल, मच्छरदानी भी नहीं मिली। अब किसको क्या बोलेंगे। जैसे रहना है रहेंगे। इन्फेक्शन होगा तो क्या करेंगे। अब सरकार जानें, क्या करना है। वहीं परिजन पूनम देवी ने कहा कि, सरकार कहती है कि सब कुछ दिया है, अब आप ही देख लीजिए। क्या खुले आसमान में ओस में मरीज को रखेंगे। मोदी सरकार कहती है कि ये करते हैं, वो करते हैं, आप लोग ही हाल देख लीजिए। क्या कुछ हो रहा है। सिर्फ बाहर-बाहर ही काम करते हैं। दरभंगा के लिए कुछ नहीं करते हैं। कहते हैं बिल्डिंग बना दिए हैं, कुछ नहीं होता है। बाहर से 1300 रुपए का दवा लेना होगा। यहां सिर्फ 2 दिन का ही मिलेगा।

ऑपरेशन के बाद कचरे के पास सुला दिया : ललिता देवी ने कहा कि बेटी के साथ आई हूं, उसका ऑपरेशन हुआ है। ऑपरेशन के बाद कोई सुविधा नहीं मिला है। पास में ही कचरा फैला है, वहीं पर सोने दे दिया है। सब सामान घर से लाई हूं। ठंड लग रहा है। मच्छर काट रहे हैं। बदबू के बीच सोने के लिए सब मजबूर हैं।

प्रभारी बोले- ज्यादा तंग कीजिएगा तो ऑपरेशन बंद करना पड़ेगा : पीएचसी प्रभारी डॉक्टर उमाशंकर प्रसाद ने इंस्पेक्शन फैलने के सवाल पर डॉक्टरों की टीम निगरानी रख रही है, लेकिन वहां कोई महिला चिकित्सक मौजूद नही थीं। मरीजों को फर्श पर लिटाने के सवाल पर भड़क गए। तो कहा कि तंग कीजिएगा तो ऑपरेशन बंद करना पड़ेगा। वहीं, ड्यूटी पर तैनात डॉ. दीपक कुमार ने बताया, 'कुल 22 महिलाओं का ऑपरेशन किया गया। जगह की कमी के कारण सभी को बेड उपलब्ध नहीं हो पाया। मरीजों को गद्दे उपलब्ध कराए गए। ठंड के मौसम में ऑपरेशन की संख्या बढ़ जाती है, जिससे केंद्र कंजस्टेड हो जाता है। अगर बेड उपलब्ध होते, तो बेहतर सुविधा दी जा सकती थी। फिलहाल उपलब्ध संसाधनों में ही मरीजों को रखकर देखभाल की जा रही है।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बेड की कमी बड़ी समस्या है, लेकिन किसी बड़ी गड़बड़ी से इनकार किया। साथ ही तत्काल सुधार के आश्वासन भी दिए।

स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर सरकार परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाना चाहती है, तो महिलाओं को सम्मानजनक माहौल और बुनियादी सुविधाएं देना आवश्यक है।

सीतामढ़ी में एसटीएफ का बड़ा एक्शन, दो कुख्यात बदमाश शेखर और शिबू गिरफ्तार, लोडेड पिस्टल बरामद

सीतामढ़ी, एजेंसी। जिले में एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात शेखर सिंह उर्फ शेखर कुमार सिंह और शिबू कुमार को बेलसंड से धर दबोचा है। बेलसंड थाना क्षेत्र के मखनाहा महारानी स्थान के निकट हुई कार्रवाई में पुलिस ने कुख्यात शेखर के पास से 32 बोर का रेगुलर लोडेड पिस्टल, दो मैगजीन, चार जिंदा कारतूस और करीब 468 ग्राम चरस बरामद किया है। वहीं,, शिबू को एसटीएफ ने एक अलग कार्रवाई में दबोचा है।

शेखर जिले के रून्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के बाड़ाडीह निवासी विनोद सिंह का पुत्र है। वहीं,, शिबू बेलसंड निवासी लक्ष्मी सिंह का पुत्र है। लंबे समय से जिले के लिए सिरदर्द बने इन दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी पुलिस एक बड़ी उपलब्धि मान रही है।

शेखर पर हत्या, लूट सहित कई अन्य गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सीतामढ़ी, बेलसंड और रून्नीसैदपुर सहित कई थानों में करीब सात मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि शेखर सिंह और उसके गिरोह द्वारा सक्रिय रूप से हथियार और नशा का अवैध कारोबार संचालित किए जाने की सूचना लगातार मिल रही थी। वहीं, शिबू पर रून्नीसैदपुर थाना क्षेत्र में हत्या और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले दर्ज हैं।

बेलसंड में चरस और लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के बाराडीह निवासी शेखर कुमार सिंह पर कई गंभीर मामले दर्ज हैं। बेलसंड थानाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह ने बताया कि शेखर का लंबा अपराधिक इतिहास है। इसके विरुद्ध बेलसंड थाने में जाफरपुर रामजानकी मठ से मूर्ति चोरी व पुजारी हत्याकांड समेत आर्म्स एक्ट एवं अवैध शराब के धंधे को लेकर मुकदमे दर्ज है।

इसके अलावा रुन्नीसैदपुर थाने में आर्म्स एक्ट, लूटपाट, शराब का धंधा और लड़की के अपहरण का मामला दर्ज है। रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के बगाही गांव से एक नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में शेखर जेल भी जा चुका है।

आरपीएफ जवान ने बचाई महिला की जान, ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर, एएसआई ने दौड़ कर खींचा

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में ट्रेन पर चढ़ते समय एक महिला फिसल गई। समय रहते आरपीएफ जवान से उसे पकड़कर प्लेटफॉर्म की तरफ खींच लिया और उसकी जान बचा ली। जिसका लाइव वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरपीएफ पोस्ट भागलपुर के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) संजीव कुमार झा की सतर्कता और तत्परता के कारण एक महिला यात्री की जान बच गई। घटना मंगलवार की है, जब एएसआई झा ट्रेन संख्या 13410 डाउन में किउल-मालदा इंटरसिटी एक्सप्रेस को सुरक्षित रूप से पास कराने के लिए मुख्य द्वार स्थित पोस्ट ऑफिस संख्या 1 के पास राउंड कर रहे थे।

राउंड के दौरान एएसआई झा की नजर एक महिला पर पड़ी, जो धीरे-धीरे गति पकड़ रही ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही थी। महिला का पैर फिसला और वह नीचे गिरने लगी। जैसे ही एएसआई झा ने स्थिति देखी, उन्होंने बिना समय गंवाए दौड़कर महिला को पीछे की ओर जोर से खींच लिया।

जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ने की कोशिश: घटना स्थल पर मौजूद लोग कुछ क्षण के लिए दहशत में आ गए, लेकिन एएसआई की सूझबूझ ने हादसे को टाल दिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम सोनी देवी बताया। ये कहलगांव के कालीगंज की रहने वाली है। उन्होंने कहा कि वह जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रही थीं।

सोनी देवी ने कहा कि उनकी जान बचना एएसआई झा की वजह से ही संभव हो पाया। उन्होंने और उनके पति मनीष कुमार साह ने आरपीएफ विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जवानों की मुस्तैदी के कारण ही उनकी जान बची। आरपीएफ आरपीएफ एके गिरी ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी स्थिति में चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास नहीं करें, क्योंकि एक गलती बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है।

मासूम बच्चों की हैंडपंप से कूचकर हत्या, पूर्णिया में मर्डर के बाद आरोपी भाई ने जीभ काटी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में चचेरे भाई ने अपने 2 भाई की हैंडपंप से हमला कर हत्या कर दी। हमले के बाद दोनों बच्चों को सिर फट गया और दीवार पर खून के छींटे पसर गए। चचेरा भाई यहीं नहीं रुका उसने बच्चों के मरने के बाद चाकू से उनकी जीभ भी काट डाली। तीसरे बच्चे का गला घोंट रहा था, तभी घर वाले आ गए जिसके बाद वो वहां से भाग निकला। मृतकों की पहचान मो. माजूब के बेटे मो. इनायत (5) और गुलनाज (3) के रूप में हुई है, जबकि डेढ़ साल की बच्ची का नाम कुलसुम की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला रौटा थाना क्षेत्र के डिंगोज गांव का है। आरोपी मो. अरबाज (22) मृतक का चचेरा भाई है। इसने अपने दोस्त मो. हसनैन के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है।

बदला लेने के लिए बच्चों को मार डाला

मृत बच्चों के चाचा ने कहा है कि, 6 साल पहले बच्चे के मामा उसकी फुआ को लेकर भाग गया था। घर में विरोध हुआ फिर सब मान गए। लेकिन आरोपी को इस बात की नाराजगी थी। घर वाले बताते हैं कि एक साल पहले आरोपी नशे के लिए अपने पिता से पैसे मांग रहा था। पैसे नहीं देने पर वो अपने पिता को पिटने लगा।

लड़ाई देखकर मृत बच्चों के पिता बीच बचाव में आए। आरोपी को ये बात भी बुरी लगी। बताया जाता है कि, मंगलवार की रात आरोपी गांव में किसी से लड़ाई कर था। मृत बच्चों के पिता ने कहा कि, लड़ाई झगड़ा करके पूरे घर का नाम तुमने खराब कर दिया है। आरोपी इससे आग बबूला हो गया और सीधे वो अपने चाचा के घर पहुंचे। देखा कि एक कमरे में तीन बच्चे सो रहे हैं। उसने हैंडपंप से दो बच्चों पर वार कर दिया और उनकी जीभ काट ली। तीसरे मासूम की गला दबाकर हत्या कर ही रहा था कि घर वाले आ गए और वो भाग गया।

बच्चों की निर्मम हत्या के बाद गांव के लोग गुस्से में हैं। गांव के लोगों का कहना है कि, बच्चों की हत्या से पूरा गांव सन्न रह गया है। आरोपी ने ऐसी घटना को क्यों अंजाम दिया वो तो घर के लोग जाने, लेकिन ऐसे कातिल को फांसी की सजा होनी चाहिए।

घटना की सूचना मिलते ही रौटा थाना की पुलिस भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी मो. अरबाज और उसके दोस्त मो. हसनैन को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से थाने में पूछताछ चल रही है।

छह विधायकों वाली कांग्रेस नहीं चुन पाई नेता, अब आलाकमान लेंगे फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव में हारकर महज छह विधायक पर सिमटी कांग्रेस की चुनौतियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। 18वीं विधानसभा का पहला सत्र बीत जाने के बावजूद पार्टी अपना विधायक दल का नेता भी नहीं चुन पाई है। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक सरकार को घेर नहीं पाए। चुनाव में करारी हार के कारण ऐसे चेहरे की कमी हो गई है, जिसे सभी विधायक अपना समर्थन दे सके। पिछली बार विधायक दल के नेता रहे शकील अहमद खान इस बार चुनाव हार चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम चुनाव हार चुके है। इनके खिलाफ पहले से ही पार्टी के नेताओं ने मोर्चा खोल रखा है।

छह में से तीन पहली बार विधायक बने

इधर, छह में तीन विधायक (वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद, चनपटिया से अभिषेक रंजन और फारबिसगंज से मनोज विश्वास) पहली बार चुनाव जीते बने हैं। इनके पास विधायी प्रक्रिया के अनुभव की कमी है। बाकी बचे किशनगंज के विधायक

कमरुल होदा अनुभवी नेता तो हैं लेकिन, यह एआईएमआईएम से आए हैं। इस कारण इन्हें विधायक दल नेता बनाने में कांग्रेस को काफी विचार करना पड़ रहा है। वहीं अबिदुर रहमान तीसरी बार विधायक बने हैं।

इनके पास भी काफी अनुभव है लेकिन स्वास्थ्य कारणों से विधायी प्रक्रिया में सक्रिय होने में उनके साथ समस्या है। सबसे अनुभवी और पूर्व आईपीएस मनोहर प्रसाद सिंह चौथी बार विधानसभा पहुंचे हैं। लेकिन यह आदिवासी समुदाय से आते हैं, समीकरण में पूरी तरह फिट नहीं बैठ पा रहे हैं। इसलिए पार्टी के कुछ अधिकारी इन्हें विधायक दल का नेता बनाने के पक्ष में नहीं है।

दिल्ली भेजी गई विधायक दल के नेता की फाइल

एक दिसंबर को पटना पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने विधायकों के साथ बैठक भी की थी। प्रदेश अध्यक्ष समेत कई लोग शामिल भी हुए थे लेकिन वरिष्ठ नेता मिलकर भी विधायक दल का नेता नहीं चुन पाए। अब बात सामने आ रही है कि बिहार प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने विधायकों को आलाकमान के पास विधायक दल के नेता की फाइल भेजने की सलाह दी है। विधायकों ने आपस में बात कर फाइल दिल्ली भेज दी है। अब राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से इस पर फैसला लिया जाएगा। इसके बाद बिहार कांग्रेस इसकी घोषणा कर पाएगी।

पटना के बैंक कॉलोनी में रेड, 4 तस्कर अरेस्ट

पटना, एजेंसी। पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र बैंक कॉलोनी में बुधवार सुबह पटना पुलिस ने एक मकान में छापेमारी की है। जहां से तलाशी के दौरान 5 लाख रुपए की विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई है। मौके से पुलिस ने 4 तस्करों को भी धर दबोचा है। आरोपियों के पास से 17.61 लाख रुपए कैश भी मिले हैं। जिस मकान में पुलिस ने छापेमारी की है, वह एक पत्रकार का बताया जा रहा है। इसी मकान को किराया पर लेकर तस्कर रहते थे। फिलहाल, पुलिस की ओर से तस्करों से पूछताछ की जा रही है। इनकी निशानदेही पर अन्य दूसरे तस्करों और नए ठिकाने के बारे में पुलिस पता लगा रही है।

तस्कर रिहायशी इलाके में रेंट पर रूम लेकर तस्करी कर रहे थे, ताकि किसी को इस बात की भनक नहीं लगे। पिछले 6 महीने से यह कारोबार चल रहा था। तस्करों ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि मध्यप्रदेश से ट्रेन के जरिए शराब पटना लाते थे। दानापुर में शराब उतारी जाती थी। फिर वहां से ऑटो, ई-रिक्शा के जरिए बैंक कॉलोनी और विग्रहपुर के एक और मकान में स्टॉक करते थे। छठ और दीपावली में भी सप्लाई की थी। अब नए साल में जश्न की तैयारी थी। पुलिस की पूछताछ में यह भी बात सामने आई है कि तस्करों का एक बड़ा नेटवर्क फैला है। इनके अलावा भी तस्करी में अन्य लोग शामिल हैं।

बिहार के रेलवे स्टेशनों पर बहाल होंगे टिकट बुकिंग एजेंट

पटना, एजेंसी। सोनपुर रेल मंडल को 24 से अधिक रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग एजेंटों की जरूरत है। इसके लिए रेल मंडल की ओर से बहाली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दसवीं पास युवा ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। पास करने वालों को निर्धारित कमीशन पर टिकट जारी करने की सुविधा दी जाएगी। सोनपुर रेल मंडल की ओर से बताया गया कि गरौल, हाजीपुर, महानार रोड, खगड़िया, सेमापुर, सोनपुर, बेगूसराय, मानसी, नवगछिया, महेशखूंट, कढ़गोला रोड, कुर्सेला, नारायणपुर, लाखो, तेघड़ा, भगवानपुर, अक्षयवट राय नगर, उजियारपुर, दलसिंहसराय, विद्यापतिनगर, शाहपुर पटोरी, मोहिउद्दीननगर, देसरी, बछवाड़ा, दिघवारा समेत कुछ स्टेशन पर टिकट बुकिंग एजेंटों की नियुक्ति की जाएगी।

रेल मंडल की ओर बताया कि इस बहाली से लोकल युवाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही टिकट वितरण प्रणाली और अधिक व्यवस्थित एवं तेज होगी। स्टेशनों पर यात्रियों को टिकट खरीदने में अतिरिक्त सहूलियत मिलेगी। चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी तरीके से संपन्न की जाएगी तथा योग्य उम्मीदवारों को ही मौका दिया जाएगा। स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट की बहाली तीन साल के लिए होगी। उम्मीदवारों के लिए 31 दिसंबर तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उम्मीदवार के नाम से बनाया गया डिमांड ड्राफ्ट अनिवार्य है। आवेदक अपना फॉर्म डाक, कूरियर या हाथों-हाथ कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

कुमारबाग स्टील प्रोसेसिंग यूनिट पर संकट, बियाडा ने दिया जमीन खाली करने का नोटिस

चनपटिया, एजेंसी। कुमारबाग स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की स्टील प्रोसेसिंग यूनिट पर संकट खड़ा हो गया है। इसे पूरी तरह से बंद करने और कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी चल रही है। उद्घाटन के बाद से इसका संचालन नहीं करने के कारण बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) ने यूनिट की जमीन को खाली करने का नोटिस भेजा है।

बियाडा की 50 एकड़ भूमि पर 127 करोड़ रुपये की लागत से सेल के इस स्टील प्रोसेसिंग यूनिट की आधारशिला 2007 में रखी गई थी। दो वर्ष बाद 2009 में यूनिट बनकर तैयार तो हो गई, लेकिन इसके तीन वर्ष बाद 2012 में ट्रायल रन किया गया। उसके बाद यूनिट बंद रही। लंबे इंतजार के बाद फरवरी 2019 में औपचारिक रूप से इसे राष्ट्र को समर्पित कर दिया गया। यूनिट के संचालन के लिए 133 कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई। यहां सीजीआइ शीट और आयरन ट्यूब बनाने की योजना थी, लेकिन 50 हजार टन प्रतिवर्ष उत्पादन की क्षमता वाली इस यूनिट से उत्पादन हुआ ही नहीं। इसका कारण बार मशीनरी का खराब होना, कुशल श्रमिकों की कमी और बाजार की कमजोर मांग बताया गया।

घाटा दिखाकर चल रही तैयारी: आज यहां की मशीनों में जंग लग गई है। भवन भी जर्जर हो रहे हैं। तैनात अधिकांश कर्मी घर रहते हैं। आज लगातार घाटे के नाम पर आंतरिक तैयारियों के बीच अब कर्मचारियों की छंटनी और यूनिट बंद करने की चर्चा होने लगी है। इसके संचालन के लिए बियाडा ने यह भूमि 90 वर्ष की लीज पर सेल को दी है।

बियाडा ने शर्तों के मुताबिक यूनिट नहीं चलने के कारण इसके महाप्रबंधक को आठ अक्टूबर 2025 को नोटिस भेजा है। इसमें आवंटन शर्तों के उल्लंघन के कारण भूमि रद्दीकरण का उल्लेख है।

चनपटिया के विधायक अभिषेक रंजन का कहना है कि यह यूनिट कभी सुचारु रूप से चलाई ही नहीं गई। अब घाटा दिखाकर बंद करने की तैयारी हो रही है। यहां कार्यरत सभी कर्मचारियों की छंटनी की भी योजना बनाई गई है। इस संबंध में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट के एजीएम शिव कुमार चौधरी का कहना है कि तीन दिन पहले महाप्रबंधक निरीक्षण करने के लिए भी आए थे। इसे बंद करने या कर्मचारियों की छंटनी के संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगों को बांटी ट्राई साइकिल

मलिहाबाद , एजेंसी। विधायक जय देवी कौशल ने बुधवार को ब्लॉक सभागार में दिव्यांगजनों को 60 ट्राई साइकिलें वितरित कीं। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की उन्हें जानकारी दी। पुरवा, महमूदनगर सहित कई गांवों से आए दिव्यांगजनों ने खुशी जाहिर करते हुए सरकार का धन्यवाद किया। इस मौके ब्लॉक प्रमुख निर्मल वर्मा, अखिलेश सिंह, ग्राम प्रधान सर्वेश रावत आदि मौजूद रहे।

सांड़ के हमले में शटरिंग मिस्त्री घायल

सरोजनीनगर , एजेंसी। क्षेत्र के चिल्लावां गांव में लोग सांड़ के हमलों से काफी परेशान हैं। मंगलवार को सांड़ ने शटरिंग मिस्त्री लक्ष्मण लोधी (45) पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आनन-फानन उन्हें लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। मंगलवार शाम वह चिल्लावां बाजार से सब्जी खरीद कर घर जा रहे थे। रास्ते में दो सांड़ लड़ रहे थे। लक्ष्मण ने उनसे बच के निकलने की कोशिश की तो एक सांड़ ने दौड़ाकर उन पर हमला कर दिया। सांड़ की सींग लगने से उनके पेट में गहरा घाव हो गया और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गए।

मौत की डोर बना चाइनीज मांझा, बेटी को स्कूल से छोड़कर लौट रहे शिक्षक का कटा गला, तड़प- तड़पकर हुई मौत

जौनपुर , एजेंसी। जौनपुर शहर के सद्भावना पुल पर चाइनीज मांझा से शिक्षक का गला कट गया। सड़क पर तड़पता हुआ देख स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वह बृहस्पतिवार की सुबह अपनी बेटी को स्कूटी से छोड़कर लौट रहे थे। अंबेडकर नगर निवासी विष्णु दत्त तिवारी उप निरीक्षक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उमरपुर सरस्वती नगर में आवास बनाकर रहते हैं। उनके बेटे संदीप त्रिपाठी (45) फतेहगंज स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाते थे। बृहस्पतिवार की सुबह अपनी बेटी मन्नत (05) को छोड़ने के लिए स्कूटी से स्कूल गए। बेटी को स्कूल छोड़ने के बाद वह वापस घर आ रहे थे। इसी दौरान सद्भावना पुल के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मांझे से उनका गला रेत गया। आसपास के लोग एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

खाद्य निरीक्षक निलंबित, फिर भी व्यापारियों में आक्रोश; मानव श्रृंखला बनाकर थाने जाएंगे व्यापारी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल कस्बे में तीन दिसंबर को आयुष जनरल स्टोर संचालक राजेश गुप्ता से खाद्य निरीक्षक अनिल पाल द्वारा जांच और सैंपलिंग के नाम पर बीस हजार रुपये की मांग किए जाने और बाद में 10 हजार पांच सौ रुपये की उगाही किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। व्यापारी ने बताया कि छह हजार नगद, चार हजार ऑनलाइन और पांच सौ रुपये निरीक्षक के साथ आए चालक को दिए गए थे। घटना के बाद उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष महेश वर्मा की अगुवाई में व्यापारियों ने महाराजपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी थाना स्तर से कोई कदम न उठाए जाने पर व्यापारियों ने गुरुवार दोपहर बारह बजे मानव श्रृंखला बनाकर थाने के बाहर एकत्रित होने का आह्वान किया था। इसी बीच बीती रात उच्च अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए खाद्य निरीक्षक अनिल पाल को निलंबित कर दिया है। व्यापारी नेता महेश वर्मा ने निलंबन की कार्रवाई पर संतोष जताया, लेकिन साथ ही महाराजपुर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने व्यापारी के रुपये वापस कराने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया है। महेश वर्मा ने स्पष्ट किया कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार दोपहर बारह बजे सभी व्यापारी महाराजपुर अंडरपास पर एकत्रित होकर मानव श्रृंखला बनाएंगे और इसके बाद थाने पहुंचकर अपनी बात मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सिर पर लटक रही मौत, फिर भी नीचे बना दिया आशियाना...

10 हजार परिवार मौत के साये में जीने को मजबूर

लखनऊ , एजेंसी। फैजुल्लागंज द्वितीय के शिवनगर में रविवार को 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से पतंग छुड़ाते वक्त 12 वर्षीय आर्यन के झुलसने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी में हाईटेंशन लाइन के नीचे ऐसी कई बस्तियां बसी हैं। ये बस्तियां अचानक नहीं बसीं। दो दशकों में प्रॉपर्टी डीलरों और बिजली इंजीनियरों की सांठगांठ से 11 और 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइनों के नीचे प्लॉट काटकर अनुमानित 10 हजार परिवारों को रोज मौत के साये में जीने के लिए मजबूर कर दिया गया है।

अमर उजाला की पड़ताल में भरत नगर के निलेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलरों ने घर खरीदते समय भरोसा दिलाया था कि ओवरहेड बिजली की लाइनों को जल्द हटवा दिया जाएगा। इसके लिए एक लाख रुपये तक जमा कराए गए, लेकिन 15 वर्ष बीतने के बावजूद लाइन एक इंच भी नहीं हिली। फैजुल्लागंज निवासी सतीश भी बताते हैं कि जब हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान बन रहे थे, उस वक्त बिजली इंजीनियरों ने आंखें मूंद रखी थीं। जब हादसा हुआ तो नोटिस उसी परिवार के घर पहुंचा, जिसे शुरुआत से प्रॉपर्टी डीलरों ने झांसा देकर ठगा था।

अहिबरनपुर लाइन: 8 किमी में 700 मकान खतरे के नीचे

मंगलवार को 12 वर्षीय आर्यन नबीकोटनंदना ट्रांसमिशन उपकेंद्र से निकलने वाली 33 केवी अहिबरनपुर लाइन से झुलसा था। इस लाइन के

नीचे 700 से अधिक मकान बने हुए हैं। करीब आठ किमी के दायरे में हाईटेंशन लाइन इन घरों से सिर्फ एक-दो मीटर ऊपर गुजर रही है। इससे छत पर बैठना तो दूर, कपड़े तक नहीं सुखाए जा सकते। जरा सी चूक पर जान जाने का खतरा बना रहता है।

ये इलाके मौत के साये में

चिनहट, भरवारा, गोमतीनगर विस्तार, निलमथा, तेलीबाग, साउथ सिटी, बिजनौर, नादरगंज, सरोजनीनगर, बंथरा, गेहरू, पारा, मोहान रोड, राजाजीपुरम, हरदोई रिंग रोड, बालागंज, आजादनगर, यासीनगंज, दुबग्गा, अंधे की चौकी हरदोई रोड, जेहटा, बरावन कला, आईआईएम रोड, फैजुल्लागंज, दाउदनगर, भरतनगर, श्रीनगर, मड़ियांव, नबीकोटनंदना, कुर्सी रोड, बेहटा, तकरोही सहित कई इलाकों में हाईटेंशन लाइनों के नीचे बड़ी बस्तियां मौजूद हैं।

विद्युत सुरक्षा निदेशालय को कार्रवाई की जिम्मेदारी

जानकीपरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह का कहना है कि हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान बनाने पर धारा-79 एवं धारा-80 के तहत प्रॉपर्टी डीलरों एवं निर्माणकर्ता को नोटिस जारी होता है। लगभग हर जेई ने अपने इलाके में 40 से ज्यादा नोटिस जारी कर चुके हैं। नोटिस की प्रतिलिपि विद्युत सुरक्षा निदेशालय को भेजी जाती है। निदेशालय को कार्रवाई का जिम्मा सौंपा गया है, यहां इन नोटिसों को नजरअंदाज किया गया। इसी वजह से हाईटेंशन लाइन के नीचे अवैध निर्माण बढ़े हैं।

बच्ची से गलत हरकत करता नशेड़ी ई रिक्शा चालक हुआ बेहोश, गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। गुडंबा इलाके में रविवार शाम छह वर्ष की बच्ची को ई रिक्शा चालक रमेश वेज रोल खिलाने के बहाने साथ ले गया। रास्ते में उसने शराब पी और कुकरैल जंगल ले जाकर गलत इरादे से बच्ची से छेड़छाड़ करने लगा। अधिक शराब पीने की वजह से आरोपी बेहोश हो गया। बच्ची रोते हुए वहां से भाग निकली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया है।

इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बच्ची मूलरूप से सीतापुर की रहने वाली है और परिवार के साथ इलाके में रहती है। बच्ची के पिता मजदूरी करते हैं। रविवार शाम बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी रमेश ई रिक्शा लेकर वहां पहुंचा और उसे वेज रोल खिलाने व घुमाने के बहाने साथ लेकर चला गया।

बच्ची के लापता होने पर परिजनों ने उसे तलाशना शुरू किया पर कुछ पता नहीं चल सका। घरवाले शिकायत लेकर गुडंबा पुलिस के पास पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज करवाई।

एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि बच्ची की तलाश में पुलिस की कई टीमों को लगाया गया। स्थानीय लोग भी उसकी तलाश में जुट गए। रात करीब साढ़े तीन बजे कुकरैल जंगल के पास बच्ची रोते हुए एक युवक को मिली। युवक की सूचना पर पुलिस टीम भी वहां पहुंच गई।

बच्ची ने आरोपी रमेश का नाम बताया। पुलिस ने जंगल के पास से नशे में धुत आरोपी रमेश को पकड़ लिया। इस मामले में सोमवार को गुमशुदगी के साथ बच्ची से दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए आरोपी सीतापुर निवासी रमेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

खुर्रमनगर से खरीदी थी शराब

इंस्पेक्टर गुडंबा ने बताया कि पुलिस ने जब बच्ची की तलाश की तो लोगों से आरोपी रमेश का नाम पता चल गया था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। आरोपी ने बताया कि वह बच्ची को गलत इरादे से अपने साथ ले गया था। रास्ते में खुर्रमनगर में उसे वेज रोल खिलाया और वहीं से शराब भी खरीदी थी। रास्ते में उसने चलते ई रिक्शा में शराब भी पी थी।

काफी डरी-सहमी है बच्ची

अपने साथ हुई घिनौनी हरकत के बाद बच्ची काफी डरी व सहमी हुई है। परिजनों को भी आरोपी रमेश की हरकत पर यकीन नहीं हो रहा। घरवालों का कहना है कि आरोपी अक्सर बच्ची को खिलाता था, कभी ऐसा कुछ भी नहीं लगा कि वह ऐसी हरकत कर सकता है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

किसानों की समस्याएं दूर न होने पर जताई नाराजगी

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) गुट की मासिक बैठक हरदोईया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हुई। इसमें किसानों की समस्याओं का निराकरण न होने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की गई। बैठक में किसानों ने नहरों में पानी न आने, गंदे पानी की निकासी व अन्य समस्याओं की शिकायत की। संगठन के जिला संरक्षक रज्जन लाल वर्मा ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार तमाम योजनाएं चला रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से पात्रों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए राजेश्वरी व भुल्लर को सदस्य और रामबली को दोरिया गांव के संगठन सचिव पद पर मनोनीत किया गया।

संगम का आगाज... 24, 25 दिसंबर को गोमती रिवरफ्रंट पर संस्कृतियों का महाकुंभ

लखनऊ , एजेंसी। गंगा-जमुनी तहजीब की संस्कृति पर बसी लखनऊ नगरी एक बार फिर संस्कृतियों के संगम की साक्षी बनने जा रही है। गोमती रिवरफ्रंट पर 24 और 25 दिसंबर को विभिन्न समाज के लोग अपनी विशेषताओं के साथ रूबरू होंगे। आयोजन की तैयारियों के लिए बुधवार को डालीबाग स्थित अमर उजाला कार्यालय में बैठक हुई।

संस्कृति विभाग के साझा आयोजन के तहत गोमती रिवरफ्रंट स्थित चटोरी गली में संगम-2025 कार्यक्रम होगा। इसका उद्देश्य लखनऊ में बसे देशभर के राज्यों व संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिकों को एक मंच पर लाना है। इसमें बंगाल, महाराष्ट्र, उड़ीसा, केरल, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब जैसे राज्यों का प्रतिनिधित्व रहेगा।

आयोजन में हर समाज के लोग अपने

खान-पान के स्टॉल लगाएंगे। वे परंपरागत वेशभूषा में भी नजर आएंगे। समारोह का उद्घाटन पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। समारोह में विभिन्न विभागों के मंत्री नजर आएंगे। विभिन्न समाजों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए जाएंगे।

संगम से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप करें : यह कार्यक्रम सभी के लिए है। विभिन्न समुदाय या फिर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आयोजन से जुड़ने के लिए मोबाइल नंबर 7617566164 पर व्हाट्सएप से संपर्क किया जा सकता है।

अरुंधती राय और हिमांशु महापात्र- उड़िया समाज, सुरेश छब्बलानी- सिंधी समाज, मनमोहन सिंह हैप्पी- पंजाबी समाज, ऋषभ कुमार जैन- जैन समाज, देवेंद्र कुमार मिश्रा- इस्कॉन मंदिर, कौस्तुभ आनंद चंदोला- पर्वतीय महापरिषद, गणेश चंद्र जोशी- पर्वतीय महापरिषद, महेंद्र सिंह रावत- पर्वतीय महापरिषद, गजानन पाटिल- मराठी समाज, सागर जाधव- मराठी समाज, विनोद माहेश्वरी- राजस्थानी समाज, मीठू राय- बंगाली समाज, वेद प्रकाश राय- भोजपुरी समाज, जेंसन जेम्स- केरल समाज।

जरूरतमंदों की सेवा पूजा करने के समान

लखनऊ , एजेंसी। ऋषि सेवा समिति की ओर से चिनहट के मटियारी स्थित होटल में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को कथावाचक राघव ऋषि ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा पूजा करने के समान है। सौरभ ऋषि ने खूबसूरत भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा के तीसरे दिन का शुभारंभ सति चरित्र के प्रसंग से हुआ। इसके बाद प्रहलाद की भक्ति का गुणगान हुआ। कथावाचक राघव ऋषि ने कहा कि हिरण्यकश्यप को अपने बल पर बहुत अहंकार था, लेकिन प्रहलाद की भक्ति के आगे उसकी हार हुई। अहंकार व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है। सच्चे मन से पूजा करने वालों की भगवान हमेशा सुनते हैं, लेकिन इसके साथ अच्छे कर्मों का होना भी जरूरी है। रावण भोलेनाथ का बहुत बड़ा भक्त था, लेकिन उसके कार्य अच्छे नहीं थे। समिति के कुलदीप मिश्र, राधाकृष्ण यादव, उदयभान चौबे, अविनाश टिक्का, दीप अरोड़ा, आनंद सैनी, विवेकानंद पांडेय, सच्चिदानंद पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

20 साल पहले लूट के मामले में कोर्ट पहुंची तीन कट्टों में भरकर 12 किलो चांदी, हाजिर नहीं हुए गवाह

हाथरस , एजेंसी। 20 साल पहले हुई चांदी लूट मामले में बरामद माल में से केवल 12 किलो धातु ही 10 दिसंबर को कोर्ट में पहुंच सकी। विवेचक व गवाह के हाजिर नहीं होने के कारण कट्टे खुल नहीं सके, जिससे माल की तस्दीक नहीं की जा सकी। अब केस में दो जनवरी की तारीख लगी है, जिसमें विवेचक के उपस्थित होने की उम्मीद है।

बता दें कि सादाबाद क्षेत्र में 24 जनवरी 2006 को सात कारोबारियों से 48 किलो चांदी की लूट हुई थी। पुलिस ने 15 फरवरी 2006 को घटना का

खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था और 12 किलो चांदी भी बरामद कर ली थी। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार पुलिस ने 23 किलो चांदी बाद में बरामद की थी। कुल 35 किलो चांदी की बरामदगी हो गई थी।

यह मामला अब एडीजे एफटीसी कोर्ट द्वितीय में चल रहा है। छह साल से बरामद माल व गवाहों को प्रस्तुत न कर पाने पर पिछली तारीख पर कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया था तथा विवेचक अनिल शर्मा के हाजिर न होने पर साक्ष्य का अंतिम अवसर समाप्त कर दिया था। चांदी कोर्ट में पेश न कर पाने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे थे।

10 दिसंबर को तारीख पर छह साल बाद सादाबाद पुलिस तीन कट्टों में 12 किलो धातु लेकर पहुंची, लेकिन यह वही बरामद माल है या नहीं, इसकी तस्दीक नहीं हो सकी। विवेचक अनिल शर्मा बुधवार को भी हाजिर नहीं हो सके। विवेचक को हाजिर कराने के लिए पत्र लिखा गया है। एडीजी शिवेंद्र ने बताया कि केवल 12 किलो धातु ही लाई गई है, लेकिन उसे खोला नहीं जा सका।

जालसाजों ने बसा दिया 400 घुसपैठियों का परिवार, एनआईए के हस्तक्षेप से खुली फर्जीवाड़े की पोल

रायबरेली , एजेंसी। जन्म प्रमाणपत्रों के फर्जीवाड़े में शामिल जालसाजों ने बांग्लादेशी, रोहिंग्या व पाकिस्तानी संदिग्ध घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिले के सलोन ब्लॉक के नुरुद्दीनपुर, लहुरेपुर, गढ़ी इस्लामनगर गांव में कागजों पर ही 400 से अधिक परिवार बसा दिए। किसी परिवार के 25 तो किसी में 15 से 11 बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनाए गए। जांच में गांवों में संबंधित परिवार नहीं मिले। बुधवार को यहां के 250 से अधिक फर्जी प्रमाणपत्रों को निरस्त किया गया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हस्तक्षेप के बाद जांच हुई तो फर्जीवाड़े की पोल खुलनी शुरू हो गई। नुरुद्दीनपुर गांव के आरिफ मलिक के 15 बच्चों

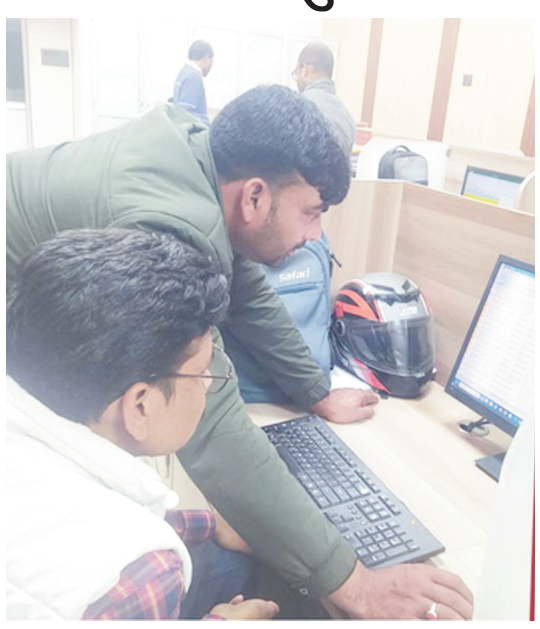

का जन्म प्रमाणपत्र बनाया गया, लेकिन जांच में गांव में परिवार नहीं मिला। अजमत अली के 13, इमरान खान के नौ बच्चों के साथ ही ऐश मोहम्मद, अब्दुल अजीज, अब्दुल अली व अकबर अली का भी गलत तरीके से गांव में पता दिखा कर प्रमाणपत्र बनाए गए। इनमें से चार बांग्लादेशी व दो रोहिंग्या मिले।

रायबरेली के जिला पंचायतराज अधिकारी सौम्यशील सिंह का कहना है कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों को निरस्त कराया जा रहा है। बार-बार सर्वर के प्रभावित होने से समस्या हो रही है। अब तक 1046 प्रमाणपत्र निरस्त किए जा चुके हैं। एसआईआर का काम पूरा होने के बाद कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर इसमें तेजी लाई जाएगी।

लखनऊ सहित कई जिलों में कोहरे की चादर, तापमान गिरने से बढ़ी ठिठुरन; जारी हुए पूर्वानुमान

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। कोहरा एक के बाद एक कई जिलों को अपने प्रकोप में ले रहा है। गुरुवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा देखने को मिला। उत्तर प्रदेश में बढ़ती ठंड के साथ ही सुबह और रात के समय घना कोहरा लोगों को प्रभावित कर रहा है। विशेषकर तराई इलाकों में सुबह के समय घने कोहरे की चादर देखने को मिल रही है। लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए उत्तर प्रदेश के तराई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर और बहराइच में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी

किया है। वहीं देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में कोहरे का येलो अलर्ट है। बुधवार को कुशीनगर में दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। वहीं बहराइच में दृश्यता 25 मीटर दर्ज हुई। इधर मौसम को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में 12 दिसंबर से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यूपी के मौसम में एक बार फिर उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में दो दिन बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यहां तीन चार दिनों तक पूर्वा हवाएं चलेंगी। कहीं कहीं छिटपुट बादल दिखाई दे सकते हैं। साथ ही दिन व रात के पारे में फिर से हल्की बढ़त देखने को मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

डीयू के कॉलेजों में सुरक्षा मजबूत करने को बन रही 3 चरण वाली एसओपी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने सभी कॉलेजों में सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार कर रहा है। हाल के महीनों में विभिन्न संस्थानों में फर्जी धमकी भरे संदेशों और बम की झूठी सूचनाओं की बढ़ती घटनाओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सुरक्षा प्रोटोकॉल को और कठोर और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने पर मजबूर किया है। नए एसओपी का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में बिना समय गंवाए स्पष्ट, क्रमबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। डीयू पहले भी एक एसओपी जारी कर चुका है, लेकिन बदलते सुरक्षा माहौल और तकनीकी चुनौतियों को देखते हुए अब अधिक व्यावहारिक और विस्तृत दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी प्रो. मनोज सिंह ने बताया कि यह एसओपी कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों, सुरक्षा कर्मियों और छात्रों के लिए एक ऐसी स्पष्ट रूपरेखा तैयार करेगा, जिसे किसी भी धमकी की स्थिति में तुरंत लागू किया जा सके। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्कूलों में इस तरह की प्रक्रियाएं पहले से लागू हैं और उनका प्रभाव भी सकारात्मक देखा गया है। सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। इसलिए केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही मीडिया और छात्रों से संवाद करने की अनुमति होगी। गलत सूचना फैलाने पर कार्रवाई का प्रावधान भी शामिल किया जाएगा। एसओपी लागू करने के साथ सभी कॉलेजों में शिक्षकों, नॉन-टीचिंग स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों को मॉक ड्रिल और आपातकालीन प्रशिक्षण दिया जाएगा। धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर कॉलेज परिसर को तत्काल खाली कराया जाएगा। निकासी मार्ग और सुरक्षा कर्मियों की भूमिकाएं पहले से निर्धारित होंगी। पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को तुरंत सूचना दी जाएगी। टीमों के पहुंचने तक परिसर को सील किया जाएगा। छात्रों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। कॉलेजों को यह भी निर्देश दिया जाएगा कि नियंत्रित सूचना प्रणाली अपनाकर अभिभावकों को अनावश्यक चिंता में न डाला जाए।

दिल्ली के द्वारका में मकान से चलती कार पर गिरे दादी पोते, दोनों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका नार्थ के भरत विहार इलाके में बुधवार शाम को एक निर्माणाधीन मकान से नीचे सड़क पर चलती कार की छत पर गिरकर दादी-पोते की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना की छानबीन के बाद संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार भरत विहार डी ब्लाक में तीन मंजिला मकान बनाने का काम चल रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मकान का ठेका गणेश नाम के व्यक्ति के पास था। गणेश की मां हरि बाई बुधवार शाम को अपने एक साल के पोते राज के साथ निर्माणाधीन मकान को देखने के लिए आई थी। वह दूसरी मंजिल पर पहुंची थी। वह गोद में पोते को लेकर इमारत के बाहरी हिस्से में चली गईं जहां नियंत्रण खोने से वह सड़क पर गिर गई। इसी दौरान एक कार गुजर रही थी और दोनों इसी कार की छत पर गिर गईं। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रेलिंग नहीं बने होने की वजह से यह हादसा हुआ है। टीम ने मौके का मुआयना किया और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले को हादसा मान कर चल रही है। परिजनों ने बताया कि हरि बाई अक्सर अपने बेटे की साइट पर काम देखने के लिए आती थीं।

पुराने वाहनों को दी गई राहत वापस लीजिए

सुप्रीम कोर्ट से ऐसा क्यों बोला सीएक्यूएम?

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से पुराने वाहनों को राहत वाला आदेश वापस लेने की गुजारिश की है। सीएक्यूएम ने जहरीली हवा का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध किया है। सीएक्यूएम ने सुप्रीम कोर्ट से 12 अगस्त को दिए गए अपने निर्देश की समीक्षा करने को कहा है, जिसके तहत दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन चलाने वालों के खिलाफ कोई जबरन कार्रवाई न करने का आदेश दिया गया था। अगस्त में कोर्ट ने प्रभावी रूप से अपने अक्टूबर 2018 के आदेश पर रोक लगा दी थी। 2018 का यह आदेश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के 2014 के फैसले को सही ठहराता था, जिसका उद्देश्य इस जहरीली हवा से निपटने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सड़कों से हटाना था। आयोग ने कहा कि सर्दियों के महीनों में लगातार ख़राब वायु गुणवत्ता को देखते हुए इस तरह के अल्पकालिक उपाय आवश्यक हैं। आयोग ने एक दीर्घकालिक उपाय का प्रस्ताव भी दिया। इसके तहत, लक्ज़री सेगमेंट के वाहनों, डीजल कारों और 2000 सीसी क्षमता या उससे अधिक की एसयूवी पर लगाए जा रहे पर्यावरण मुआवजा शुल्क को वर्तमान 1 प्रतिशत से अधिक करने का सुझाव दिया गया है। आयोग ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर ख़राब वायु गुणवत्ता के लिए वाहनों से होने वाला प्रदूषण सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं में से एक है। इसमें यह भी जोड़ा गया कि पुराने हो चुके वाहनों का उपयोग हमेशा से चिंता का विषय रहा है। एनजीटी ने 2014-2015 में एनसीआर में पुराने हो चुके वाहनों को प्रतिबंधित करने के लिए कई आदेश पारित किए थे। कोर्ट के आदेश के अनुसार, ऐसे वाहनों को जब्त किया जाना था। सीएक्यूएम ने बताया कि बी एस सेकंड मानक वाले वाहन 15 साल से अधिक समय से, बी एस सेकंड 20 साल से अधिक समय से, और बी एस-वन 24 साल से अधिक समय से उपयोग में हैं। आयोग ने विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में असाधारण स्थिति का हवाला दिया, जो प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण प्रदूषकों के खराब फैलाव के कारण होती है, और उत्सर्जन मानकों के आधार पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। सीएक्यूएम ने कहा कि लगभग 93 प्रतिशत वाहन हल्के मोटर वाहन और दोपहिया वाहन हैं। आयोग ने आगे कहा कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का सबसे बड़ा हिस्सा यही है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच (पीठ) की ओर से दिल्ली में वायु प्रदूषण के मामले की सुनवाई के लिए सीएक्यूएमकी रिपोर्ट पर विचार किए जाने की उम्मीद है। 2014 और 2018 के आदेशों को कभी भी सख्ती से लागू नहीं किया गया था। भारतीय जनता पार्टी, जो इस साल दिल्ली में सत्ता में आई और जिसने प्रदूषण को अपने चुनावी मुद्दों में से एक बनाया था,

सीएपीएफ भर्ती से जुड़े केस में दी बड़ी राहत

4 एमएम कम हाइट वाला बन सकेगा कमांडर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) भर्ती से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में उम्मीदवार को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि महज 0.4 सेंटीमीटर कम लंबाई होने के आधार पर किसी योग्य उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से बाहर करना अनुचित और अवैध है। हाईकोर्ट ने कहा कि 164.6 सेंटीमीटर लंबाई को 165 सेंटीमीटर माना जाना चाहिए। जस्टिस सी. हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने कहा कि भर्ती नियमों के मुताबिक, 0.5 सेंटीमीटर से कम का अंतर नजरअंदाज किया जाना चाहिए। वहीं, 0.5 सेंटीमीटर या उससे अधिक होने पर लंबाई को एक मान लिया जाता है। इसलिए उम्मीदवार की 164.6 सेंटीमीटर की लंबाई को सीधे 165 सेंटीमीटर माना जाना चाहिए था। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि सीएपीएफ भर्ती के लिए मेडिकल जांच टेस्ट को लेकर जारी दिशानिर्देश में भी कहा गया है कि 0.5 सेंटीमीटर से कम लंबाई के अंतर को नजरअंदाज किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट को बताया था कि सीएपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट पद के लिए आवेदन के दौरान उसकी लंबाई 164.6 सेंटीमीटर नापी गई, जिसके कारण उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया। हाईकोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया गलत मानते हुए उम्मीदवार को आगे की चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि भर्ती के अन्य चरणों को उम्मीदवार को स्वयं पास करना होगा, तभी अंतिम नियुक्ति पर निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में याचिका को प्रथम दृष्टया उम्मीदवार के पक्ष में पाते हुए हाईकोर्ट की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता, ट्रांसपोर्टरों व ट्रैफिक पुलिस से वसूली करने वाले 2 गिरोह पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने राजधानी में ट्रांसपोर्टरों से संगठित तरीके से वसूली करने वाले दो गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए सरगनाओं सहित कई गुर्गों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह कॉमर्शियल वाहनों को फर्जी मार्का/स्टिकर बेचते थे और मॉर्फ्ड वीडियो बनाकर ट्रांसपोर्टरों के साथ-साथ ट्रैफिक पुलिसकर्मियों तक से वसूली करते थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान इनके कब्जे से 200 से अधिक नकली मार्का/स्टिकर बरामद किए हैं। पहले गिरोह का सरगना जीशान अली है, जो नो-एंट्री प्रतिबंध के दौरान कॉमर्शियल मालवाहक वाहनों की आवाजाही में सहायता के नाम पर प्रति वाहन हर महीने दो से पांच हजार रुपये लेकर स्टिकर देता था।

दूर हो गई डबल डेकर पुल की सबसे बड़ी रुकावट

डीएमआरसी ने बताया कब तक बन जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पहले डबल-डेकर पुल के निर्माण की एक बड़ी रुकावट पिछले हफ्ते दूर हो गई। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को कई पेड़ों को काटने और दूसरी जगह लगाने की अनुमति मिल गई है, जो फ्लाईओवर के रैंप के निर्माण को रोक रहे थे। यह डबल-डेकर पुल 1.4 किलोमीटर लंबा है और इसे भजनपुरा और यमुना विहार मेट्रो स्टेशनों के बीच बनाया जा रहा है। यह पुल पिंक लाइन कॉरिडोर के विस्तार (मौजपुर से मजलिस पार्क तक) का हिस्सा है। हालांकि, निर्माण कार्य दो साल से ज़्यादा समय से अटका हुआ था, क्योंकि डीएमआरसीको निर्माण पूरा करने के लिए पेड़ों को काटने की अनुमति की जरूरत थी।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि डीएमआरसीऐसे तीन डबल-डेकर पुल बना रही है, लेकिन उम्मीद है कि यह पुल सबसे पहले बनकर तैयार होगा, शायद अगले साल के मध्य तक ये पूरा हो जाए। अधिकारी ने कहा, दो साल से ज्यादा समय से काम रुका हुआ था, क्योंकि फ्लाईओवर के रास्ते में कई पेड़ आ रहे थे। हालांकि, पेड़ों को काटने की अनुमति नहीं मिल रही थी। डीएमआरसी के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि भजनपुरा और यमुना विहार के बीच का डबल-डेकर सेक्शन फिलहाल ट्रेनों के चलने के लिए तैयार है, लेकिन, डबल-डेकर पुल के सड़क वाले हिस्से (फ्लाईओवर) का रैंप (चढ़ाव) अभी तक तैयार नहीं था। दयाल ने कहा, पेड़ काटने की अनुमति पिछले सप्ताह ही मिली है, और डीएमआरसी बचे हुए हिस्से के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के साथ समन्वय कर रहा है। डीएमआरसी इसके अलावा दो डबल-डेकर पुल बना रहा है।

दिल्ली से गुरुग्राम-बावल तक चलेगी नमो भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल में दिल्ली के सराय काले खां से गुरुग्राम होते हुए बावल तक नमो भारत ट्रेन चलाने के लिए कार्य शुरू हो जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के दूसरे चरण का टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। यह बात विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के पश्चात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी, 2014 में चलाया था। इसके तहत अधिकांश विभागों की बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है। सैनी ने कहा कि एसपीआर पर निर्माणाधीन बरसाती नाले का निर्माण कार्य अगले साल मई माह में मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए धनवापुर में 100 एमएलडी क्षमता के सीवर शोधन संयंत्र का टेंडर लगा दिया है। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बात का बतंगड़ ना बनाए जापान, रूस को लेकर चीन देने लगा नसीहत

बीजिंग, एजेंसी। चीन और रूस द्वारा की गई पेट्रोलिंग पर जापान के रिएक्शन पर अब ड्रैगन ने नई नसीहत दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि टोक्यो को चीन और रूस की सेनाओं द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग से परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उनके वार्षिक साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। गौरतलब है कि चीन और रूस की साझा पेट्रोलिंग के बाद जापान ने भी गुरुवार को इस बात की घोषणा की थी कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर एक संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद चीन और जापान के बीच कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर है।

रूस और चीन द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग पर चिंता जाहिर करते हुए जापान के संयुक्त चीफ्स ऑफ डिफेंस स्टाफ ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बढ़ता है। जापान ने आरोप लगाया कि एक दिन पहले दो रूसी टीयू-95 परमाणु क्षमता वाले बॉम्बर जापान सागर से उड़कर दो चीनी एच-6 बॉम्बर्स से पूर्वी चीन सागर में मिले और फिर दोनों देशों ने जापान के चारों ओर संयुक्त उड़ान भरी। जापान की तरफ से कहा गया कि इसी तनाव को कम करने के लिए जापानी सेना ने भी अमेरिकी सेना के साथ एक संयुक्त अभ्यास किया है। इससे पहले भी जापान द्वारा चीन के ऊपर आरोप लगाया गया था कि बीजिंग ने इंटरनेशनल वॉटर्स में दो बार जापानी फाइटर जेट्स को रडॉर लॉक कर दिया था। इसके बाद उसे अपने जहाजों को स्क्रैंबल (तेजी से उड़ान भरकर खतरे की जांच करने) का आदेश देना पड़ा। इसके बाद जापान ने चीनी राजदूत को तलब किया। हालांकि, इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने तरीकों से बयान जारी किया। चीन की तरफ से कहा गया कि जापानी जहाजों ने बिना अनुमति के चीनी क्षेत्र में प्रवेश करके जासूसी करने की कोशिश की थी, इसके बाद तनाव पैदा हुआ।

जापान और चीन के बीच में वैसे तो विवाद काफी पुराना है लेकिन हाल ही में जापान की नई नवेली प्रधानमंत्री तकाइची के एक बयान के बाद विवाद बढ़ गया है। दरअसल, उन्होंने खुले तौर पर ताइवान की तरफदारी करते हुए कहा कि अगर चीन ताइवान की और सैन्य खतरा पैदा करता है या सैन्य कार्रवाई करने की कोशिश करता है तो जापान इसमें हस्तक्षेप करेगा। ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानने वाले बीजिंग ने इस बयान के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया जताई।

खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के नाम पर बवाल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान में आसिम मुनीर को भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मात खाने के बाद फील्ड मार्शल बनाया गया है। इसके अलावा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का दर्जा भी संविधान संशोधन करके मिला है। जानकार मानते हैं कि पाकिस्तान ने ऐसा इसलिए किया है ताकि भारत से मिली हार को छिपाया जा सके और जनता में गलत जानकारी देकर ही सही, सेना और सरकार का भरोसा कायम रहे। फिर भी इमरान खान के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी पीटीआई से सेना की अदावत जारी है। यहां तक कि गुरुवार को तो खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए जाने पर विवाद छिड़ गया।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की ओर से इमरान खान और खैबर के सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ बयान देने पर भी विवाद मचा है। सदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की महिला विधायक सोबिया शाहिद ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए। इस पर स्पीकर सुरैया बीबी ने मार्शलों को आदेश दिया कि वे आसिम मुनीर के पोस्टरों को हटाएं। इसके अलावा उन्होंने पीएमएल-एन की विधायक से भी कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सेना का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका आपकी पार्टी से कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात करें। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की तस्वीरें लहराने का क्या मतलब है। देश में गंभीर समस्याएं हैं। गरीबी, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता है। इसके बाद भी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी पीटीआई नेतृत्व के खिलाफ बयान देते हैं। विशेष तौर पर इमरान खान और सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ उन्होंने जो बोला है, उससे खैबर पख्तूनख्वा के लोगों में गुस्सा है। पीटीआई के विधायक हुमायूं खान ने कहा कि आखिर सेना के लोगों को राजनीतिक मसले में बोलने की क्या जरूरत है।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग के बाजार में जोरदार धमाकों से लगी आग

मास्को, एजेंसी। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। शहर के सबसे बड़े बाजारों में से एक में बुधवार शाम तेज धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे मार्केट कॉम्प्लेक्स में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं।

रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आग लगने से पहले बाजार क्षेत्र में एक के बाद एक कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इसके तुरंत बाद आग ने पूरे कॉम्प्लेक्स को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़ी संख्या में जवान और उपकरण मौके पर भेजे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बाजार में तेज़ी से फैलती आग को साफ देखा जा सकता है। ऊंची लपटें और घना काला धुआं रात के अंधेरे में दूर तक फैलता दिखाई दिया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। नेवस्की जिले के अभियोजक कार्यालय ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि आग पर काबू पाने के लिए 96 दमकलकर्मी और 26 फायरफाइटिंग उपकरण तैनात किए गए। शुरुआती रिपोर्टों में 1 व्यक्ति के घायल होने और 1 की मौत की पुष्टि हुई है।

अस्पताल पर हुआ हवाई हमला, 30 की मौत 70 घायल

यांगून, एजेंसी। म्यांमार इन दिनों गंभीर गृहयुद्ध की आग में झुलस रहा है। 10 दिसंबर की रात राखाइन प्रांत के एक अस्पताल पर एयर-स्ट्राइक हुआ, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 70 लोग घायल हुए। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इस अस्पताल में विद्रोही समूह अराकन आर्मी के लड़के इलाज करा रहे थे या छिपे हुए थे। हालांकि, म्यांमार की सेना और सरकार की तरफ से इस हमले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

म्यांमार में वर्तमान संघर्ष की जड़ें 1 फरवरी 2021 तक जाती हैं। उस दिन म्यांमार की सेना (तत्मादाव) ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका। आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने 2020 के चुनावों में भारी बहुमत हासिल किया था। सेना ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए सत्ता हथिया ली। इस तख्तापलट के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन सेना ने इन्हें हिंसक रूप से दबा दिया। विरोध के बाद नए सशस्त्र समूहों का गठन हुआ। इनमें प्रमुख है पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ), जो नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) की सशस्त्र शाखा है। इसके अलावा, देश के कई जातीय सशस्त्र संगठन भी लंबे समय से स्वशासन और अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जैसे करेन नेशनल यूनियन और काचिन इंडिपेंडेंस ऑर्गनाइजेशन। विद्रोही समूहों ने 2024 तक देश के लगभग 40-50त्न इलाकों पर नियंत्रण कर लिया था। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र जैसे शान स्टेट और राखाइन स्टेट में उनका दबदबा मजबूत था। लेकिन 2025 में सेना ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। हालांकि, बड़े शहर जैसे यांगून पर सेना का नियंत्रण अभी भी कायम है।

संपादकीय | आरोपी के फरार होने पर उठते गंभीर सवाल

गोवा के एक नाइट क्लब में आग की भयावह घटना ने भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही को फिर से उजागर किया है। जैसे-जैसे इस हादसे की परतें खुल रही हैं, विभिन्न स्तरों पर कोताही बरतने के तथ्य सामने आ रहे हैं। अग्निशमन सुरक्षा उपायों के अभाव से लेकर आपात स्थिति में बचाव की माकूल व्यवस्था न होना यह दर्शाता है कि न तो क्लब के मालिकों और न ही स्थानीय प्रशासन को यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई फिक्र थी।

इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन अब न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस मुख्य आरोपियों को न्याय के कठघरे में ला पाएगी या नहीं, इसको लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि क्लब के मालिक एवं दोनों मुख्य आरोपी हादसे के बाद देश छोड़कर विदेश भाग गए हैं। यानी हादसे के बाद भी पुलिस सतर्कता दिखाने और अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने में चूक गई। जांच एजंसी का ध्यान क्लब के प्रबंधकीय कर्मियों की धरपकड़ पर ही केंद्रित रहा और इस बीच मुख्य आरोपी बच निकलने में कामयाब हो गए।

गौरतलब है कि उत्तरी गोवा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में शनिवार रात लगी भीषण आग में पच्चीस लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद पुलिस ने संबंधित क्लब में प्रबंधकीय कार्य में तैनात कुछ कर्मियों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच के बाद माना जा रहा है कि क्लब में 'इलेक्ट्रिक पटाखे' चलाए जाने से आग लगी।

हालांकि, इसके असली कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। मगर सवाल यह है

कि हादसे के बाद पुलिस ने कार्रवाई में कितनी तत्परता दिखाई? ऐसी क्या वजह रही कि दोनों मुख्य आरोपी पुलिस को चकमा देकर देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए। क्या पुलिस को इनके फरार होने की जरा भी आशंका नहीं थी? किसी जांच एजंसी से इस तरह की लापरवाही की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

हैरत की बात है कि पुलिस ने हादसे के तुरंत बाद क्लब के मालिकों तक पहुंचने की जरूरत नहीं समझी। जांच दल ने सोमवार को जब दिल्ली स्थित उनके ठिकाने पर छापेमारी की, तब पता चला कि वे विदेश भाग गए हैं। ऐसे में पुलिस की जांच प्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कानूनी मामलों के जानकारों का कहना है कि दोनों मुख्य आरोपियों को अब भारत वापस लाकर न्याय के कठघरे में खड़ा करना आसान नहीं होगा। भले ही पुलिस के प्रयासों से इंटरपोल की ओर से उनके खिलाफ 'ब्लू कार्नर' नोटिस जारी कर दिया गया है, मगर यह भी संभव है कि वे थाईलैंड से किसी और देश भाग जाएं। यानी उन्हें गिरफ्तार कर वापस लाने की प्रक्रिया लंबी हो सकती है। एक और महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस हादसे के बाद राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक विस्तृत परामर्श जारी किया है।

इसके तहत नाइट क्लब, रेस्तरां, बार, कार्यक्रम स्थलों और इसी तरह के अन्य प्रतिष्ठानों को अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी और सक्षम प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित संरचनात्मक सुरक्षा मानदंडों का पुरी तरह अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि किसी बड़े हादसे के बाद ही इस तरह के निर्देश जारी करने की जरूरत महसूस की जाती है। इसमें दोराय नहीं कि अगर पहले से ही नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, तो इस तरह के हादसों को रोका जा सकता है।

बीएलओ पर बढ़ते दबाव से हालात क्यों बने खतरनाक?

देश के कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम जारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे अंजाम देने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों यानी बीएलओ के सामने अब भी कई तरह की चुनौतियां और मुश्किलें पेश आ रही हैं। कुछ राज्यों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि काम से उपजे तनाव और दबाव की वजह से परेशान होकर कई बीएलओ ने आत्महत्या कर ली या फिर नौकरी से इस्तीफा दे दिया। इस मसले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग को काम के तनाव को कम करने के लिए कुछ निर्देश दिए थे। फिर भी हालत यह है कि देश के कई इलाकों में बीएलओ को लगातार दबाव के बीच काम करना पड़ रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए लोगों के घरों में आखिर उन्हें ही जाना पड़ता है, जहां कभी उन्हें अलग-अलग कारणों से धमकी देने की खबरें आई हैं। वहीं सीमित अवधि में काम निपटाने का तनाव भी उन्हें मुश्किल में डाल रहा है। इसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बीएलओ और अन्य अधिकारियों को 'धमकी' दिए जाने के मामले को गंभीरता से लिया और आयोग से कहा कि वह ऐसी घटनाओं को अदालत के संज्ञान में लाए, अन्यथा अराजकता फैल जाएगी। निर्वाचन आयोग के तहत चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का प्रारूप पहले ही ऐसा तय किया जाना चाहिए था, जिससे काम करने वाले व्यक्ति से लेकर आम जनता तक को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। मगर इसके लिए शीर्ष अदालत को आयोग को काम करने के तरीके के बारे में बताना पड़ता है। इस बीच आयोग ने पुनरीक्षण अभियान के लिए एक सप्ताह का समय बढ़ाया, लेकिन इतने व्यापक काम को बहुत कम समय में पूरा करने का दबाव बनाया जाएगा, तो उसमें चूक की आशंका बनी रहेगी। सवाल है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने कामकाज का यह कैसा प्रारूप तैयार किया है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का सारा बोझ प्रकारांतर से बीएलओ को ही उठाना पड़ रहा है। ज्यादा काम की वजह से अगर कोई चूक होती है तो एक ओर उन्हें आयोग की ओर से कार्रवाई का डर रहता है, तो दूसरी ओर आम नागरिक भी उनसे ही सवाल करते हैं।

आज का कार्टून

राजमार्गों की खतरनाक हकीकत और सुरक्षा की स्थिति?

सड़क सुरक्षा वास्तव में जीवन सुरक्षा, परिवार सुरक्षा, समाज सुरक्षा और राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा मसला है। इसलिए इसे जितनी दृढ़ता, गंभीरता और प्राथमिकता दी जाए, उतना बेहतर होगा। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि देश के प्रत्येक व्यक्ति को यात्रा-सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके तहत वाहन चलाने का बेहतर प्रशिक्षण हासिल करना, नशे में वाहन न चलाना तथा यातायात नियमों और कानूनों का पूरी तरह पालन करना होगा। किसी वाहन से आगे निकलने की होड़ वाली प्रवृत्ति को त्यागना होगा, जो न केवल अपनी जान को जोखिम में डालती है, बल्कि दूसरे की जिंदगी से भी खिलवाड़ करती है। अपनी सुरक्षा जितनी जरूरी है, उतनी ही दूसरे की सुरक्षा भी है। लापरवाही या सड़क नियमों को तोड़कर आगे बढ़ना हादसे को निमंत्रण देना है। दो पहिया वाहनों पर सवार लोगों के हर हाल में हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट बांधने तथा गति सीमा का पालन करने से हादसों की भयावहता को कम किया जा सकता है।

अखिलेश आर्येंदु

देश में सड़कों पर सुरक्षा का मसला अब गंभीर चिंता का विषय बन गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग हों, एक्सप्रेस-वे हों या फिर संपर्क मार्ग, हर जगह रोजाना बड़ी संख्या में लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। यह आशंका हमेशा बनी रहती है कि पता नहीं कब, किस मार्ग पर किसके साथ हादसा हो जाए। सवाल है कि तमाम सड़कों पर वाहनों में या पैदल यात्रा करना अब इतना जोखिम भरा और खतरनाक क्यों होता जा रहा है? बड़े वाहन हो या फिर दो पहिया, किसी पर भी यात्रा करना अब सुरक्षित नहीं रह गया है? सबसे ज्यादा खतरा पैदल यात्रियों को सताने लगा है। सड़क की इस हकीकत से सरकार और प्रशासनिक अमला सभी भली-भांति वाकिफ हैं। मगर हादसों को रोकने के लिए कोई भी उपाय अभी तक कारगर साबित नहीं हुआ है। भारत में सड़क सुरक्षा की स्थिति बेहद चिंताजनक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023 में देशभर में 4.61 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें से 1.72 लाख से ज्यादा लोगों की असमय मौत हो गई। यह तब है, जब देश में सड़क तंत्र का महज दो फीसद हिस्सा-राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जो 30-35 फीसद मौतों के लिए जिम्मेदार है।

यह आंकड़ा दर्शाता है कि देश भर में सभी तरह की सड़क दुर्घटनाओं में होने मौतों में सबसे ज्यादा भूमिका राष्ट्रीय राजमार्गों की है। चिंता की बात यह है कि तमाम सुरक्षात्मक नियमों, कानूनों और जागरूकता अभियानों के बावजूद राजमार्गों पर हो रही दुर्घटनाओं में कमी आने के बजाय इनकी संख्या लगातार बढ़ रही हैं।

जिन कारणों से सड़क हादसों में तेजी आई है, उनमें खराब सड़क अभियांत्रिकी भी है, जिसमें अंधे मोड़, तिरछे-आड़े मोड़ और जरूरी सुरक्षा संकेतों की कमी शामिल है। इसके अलावा सीमा से अधिक गति, चालकों की थकान और ध्यान विचलन भी एक बड़ी वजह है। कमजोर प्रवर्तन भी राजमार्ग पर हादसों का एक कारण है, जिसमें यातायात प्रबंधन की कमी और सीमित गति कैमरों के कारण नियमों का पालन न हो पाना है। इसके साथ ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनदेखी, पर्याप्त रोशनी का अभाव, कोहरा, लापरवाही से वाहन चलाना और अचानक ब्रेक फेल हो जाना भी हादसों की वजह बन रहा है।

सड़क सुरक्षा के लिए महज अवसंरचना का विकास ही जरूरी नहीं है, बल्कि वक्त के अनुसार सुरक्षा नियमों में बदलाव और व्यापक जनजागरूकता भी आवश्यक है। पिछले दस वर्षों में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़क हादसों को कम करने के लिए तमाम तरह के कदम उठाए हैं, लेकिन उससे हादसों में कमी नहीं आई। इन कदमों के तहत सड़क से अतिक्रमण हटाने के लिए केंद्र से राज्यों को निर्देश तथा सड़कों के डिजाइन, संकेतकों और लेन में सुधार के अलावा 'ब्लैक स्पाट' की पहचान एवं सुधार कार्य में तेजी लाना जैसे उपाय शामिल हैं।

सरकार ने उन्नति पूर्ण चालक सचेत यांत्रिकी यानी एडीएएस को सभी ट्रक और बसों में अनिवार्य करने का फैसला किया है। इसी तरह अक्तूबर, 2027 तक वाहनों के नए माडल में स्वचालित आपात ब्रेक प्रणाली, 'डाइवर ड्रोजिनेस अलर्ट' और 'लेन डिपार्चर वार्निंग' प्रणाली लगाना जरूरी ????। वर्ष 2028 से सभी पुराने माडल में भी ये व्यवस्थाएं करनी होंगी।

मगर, राजमार्गों पर बढ़ती वाहनों की संख्या की वजह से ये कदम नाकाफी साबित हो रहे हैं। जाहिर है कि सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में महज नीतिगत सुधार के अलावा व्यावहारिक रूप से हादसों को रोकने के लिए और भी ज्यादा सुधार करने होंगे। जब तक नीति, कानून और कार्यान्वयन पर बराबर गौर नहीं किया जाएगा, तब तक सड़कें पूरी तरह से सुरक्षित और भयरहित नहीं बन पाएंगी।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में महाराष्ट्र ने एक मिसाल पेश की है। इसके तहत विशेष राजमार्ग पुलिस बल का गठन किया गया है। इस बल में दो हजार से ज्यादा कर्मी तैनात हैं, जो राज्य के प्रमुख राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर निरंतर गश्त और निगरानी करते हैं। महाराष्ट्र का यह माडल दूसरे राज्यों के लिए नजीर बन सकता है। अगर केंद्र सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करे, तो सड़क हादसों की बढ़ती संख्या पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। दूसरे राज्यों में यह जिम्मेदारी राज्य पुलिस और यातायात पुलिस इकाइयां बखूबी निभा सकती हैं।

आजादी के बाद से तमाम सुरक्षा जरूरतों के लिए पुलिस या सुरक्षा बलों का गठन किया गया, लेकिन यातायात सुरक्षा बल का गठन केंद्रीय स्तर पर नहीं हो सका है। सवाल है कि जब सरकार सड़क सुरक्षा के लिए बजट में निर्धारित राशि भी खर्च न कर पा रही हो, तो सुधार की उम्मीद कैसे बने? सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर 'गति प्रबंधन दिशा-निर्देश' जितनी जल्दी हो सके, लागू किए जाने चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सारे प्रयास अधूरे रह जाएंगे। सड़क हादसों में आ रही तेजी को देखते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके तहत तत्काल कुछ विशेष तरह के कदम उठाने की जरूरत है।

सबसे पहले, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन जितनी जल्दी हो सके, सरकार को करना चाहिए। जिससे सड़क सुरक्षा से जुड़ी सभी तरह की नीतिगत, तकनीकी और संस्थागत एजंसियों के बीच समन्वय स्थापित हो सके। दूसरा, देश के लिए राष्ट्रीय गति प्रबंधन दिशा-निर्देश तैयार करने की जरूरत है, जिसके अंतर्गत गति निगरानी, कैमरा-आधारित प्रवर्तन और स्वचालित दंड प्रणाली को बेहतर बनाए जा सके।

तीसरा, राजमार्ग प्राधिकरण, राज्य परिवहन विभाग और राज्य सरकारों के बीच नियमित संयुक्त समीक्षा व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि सड़क सुरक्षा योजनाओं, 'ब्लैक स्पाट' सुधार कार्यों और प्रवर्तन गतिविधियों की प्रगति पर नजर रखी जा सके। इससे देश भर में सड़क सुरक्षा की बेहतर निगरानी हो सकेगी और हादसों में हो रही वृद्धि को कम करने में भी मदद मिलेगी।

सड़क सुरक्षा वास्तव में जीवन सुरक्षा, परिवार सुरक्षा, समाज सुरक्षा और राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा मसला है। इसलिए इसे जितनी दृढ़ता, गंभीरता और प्राथमिकता दी जाए, उतना बेहतर होगा। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि देश के प्रत्येक व्यक्ति को यात्रा-सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके तहत वाहन चलाने का बेहतर प्रशिक्षण हासिल करना, नशे में वाहन न चलाना तथा यातायात नियमों और कानूनों का पूरी तरह पालन करना होगा।

किसी वाहन से आगे निकलने की होड़ वाली प्रवृत्ति को त्यागना होगा, जो न केवल अपनी जान को जोखिम में डालती है, बल्कि दूसरे की जिंदगी से भी खिलवाड़ करती है। अपनी सुरक्षा जितनी जरूरी है, उतनी ही दूसरे की सुरक्षा भी है। लापरवाही या सड़क नियमों को तोड़कर आगे बढ़ना हादसे को निमंत्रण देना है। दो पहिया वाहनों पर सवार लोगों के हर हाल में हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट बांधने तथा गति सीमा का पालन करने से हादसों की भयावहता को कम किया जा सकता है। इस बात को समझना बेहद जरूरी है कि सिर्फ सरकारी स्तर पर प्रयासों से ही देश में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। यह सब शासन, प्रशासन और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है।

भूख से युद्ध के साथ शिक्षा की लौ जलाता अक्षय पात्र

महाभारत में एक कथा आती है..जुए में अपना सबकुछ हारने के बाद पांडव वनवास काट रहे हैं..उसी दौरान वे सूर्य की उपासना करते हैं..सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को एक पात्र देते हैं..उस पात्र की विशेषता है कि उसमें रखा भोजन कभी खत्म ही नहीं होता...वह सदा भरा ही रहता है। अक्षय का अर्थ ही होता है, जिसका कभी क्षय ना हो, यानी जिसमें कभी कोई कमी ना हो..कहना न होगा कि इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है..भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू इस संकल्प ने चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर ली है।

उमेश चतुर्वेदी

अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन योजना को लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्यान्ह भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना की चुने हुए ब्लॉकों में शुरूआत की, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ। बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब पका हुआ खाना देना अनिवार्य कर दिया गया। अब इसका नाम प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम कर दिया गया है। अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारूणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर ना हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है। उनके यहां भोजन के वक्त कोई भूखा नहीं रहता। बहरहाल दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से यह फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है और आज स्थिति यह है कि अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी विद्यालयों के करीब चौबीस लाख बच्चों को रोजाना दोपहर का भोजन मुहैया करा रहा है। अक्षय पात्र का उद्देश्य भूख

की वजह से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है।

शुरुआत में सीमित पैमाने पर काम करने के बाद, संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। आज यह भारत में सबसे बड़े मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों में से एक का संचालन करता है, जिसके दायरे में अब करीब चौथाई करोड़ बच्चे आ चुके हैं। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो चार अरब लोगों को अब तक भोजन मुहैया कराया जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी के करीब ढाई गुना ज्यादा लोगों को अब तक यह गैरलाभकारी संगठन खाना खिला चुका है। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। बहुत लोगों को जानकर हैरत होगी कि इनमें से 47 रसोईघरों को आईएसओ प्रमाण पत्र हासिल है।

सरकारी स्कूलों में जारी मध्यान्ह भोजन योजना पर दो तरह के आरोप लगते रहे हैं। पहला भ्रष्टाचार का होता है, जबकि दूसरा परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर रहा है। कमोबेश ये शिकायतें अभी तक बनी हुई हैं। लेकिन अक्षय पात्र की ओर से जिन स्कूलों, आंगनबाड़ियों आदि में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, वहं ऐसी कोई शिकायत नहीं है।

इसकी वजह यह है कि अक्षय पात्र सिर्फ सरकार से मिलने वाले चावल, दाल और गेहूं और दूसरी सहूलियतों पर ही निर्भर नहीं है। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से भी मिले सहयोग पर भी निर्भर है। दान में मिली रकम से अक्षय पात्र ने ना सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं । उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। भोजन को तैयार करने के लिए सैकड़ों लोग इन रसोईघरों में कार्यरत हैं। तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि अक्षय पात्र का भोजन ढोने वाले वाहन सचल रेफ्रिजरेटर हैं। यानी भोजन के खराब होने या बासी होने की कोई वजह नहीं है। भोजन में तेल, सब्जी, आटा, दाल, चावल, मसाले आदि जिस भी चीज का इस्तेमाल होता है, उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। इतना ही नहीं, भोजन का मेन्यू भी एक ही नहीं होता। बल्कि भोजन का मेन्यू रोजाना अलग-अलग होता है। अक्षय पात्र के एक प्रवक्ता कहते हैं कि हमारा उद्देश्य पौष्टिक और गुणवत्ता युक्त भोजन मुहैया कराकर स्कूली बच्चों की सेहत का ध्यान तो रखना ही है, उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता को निर्बाध रखना है। अध्ययन बताते हैं कि दोपहर का भोजन मिलने के बाद स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में गिरावट आई है।

साल 2003 में अक्षय पात्र फाउंडेशन को मध्याह्न भोजन योजना का भागीदार बनाया गया । इसी साल पहली बार फाउंडेशन ने कर्नाटक सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद कर्नाटक के हुबली, मैसूर और मंगलुरु के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के वृंदावन और राजस्थान के जयपुर जैसे अन्य स्थानों पर भी और अधिक रसोइयां स्थापित की गईं। आज, यह संगठन भोजन परोसने के साथ सुनिश्चित करता है कि कक्षा में बैठने वाले प्रत्येक बच्चे को पर्याप्त पोषण मिले।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल

जानिए क्या थी वजह?

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी

वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, 'देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है।'

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स

गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में

बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

चांदी पर बैठना पसंद नहीं

मेरा लक्ष्य सोना: रवि दहिया

नई दिल्ली। रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक

विजेताओं में रवि दहिया का नाम भी शामिल है। रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे। दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, 'मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।' टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता। 2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं।

वेलिंगटन टेस्ट

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूजीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी। वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी।

जूनियर विश्व कप हॉकी

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन

9 साल बाद भारत ने जीता पदक

चेन्नई, एजेंसी। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी।

भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका

मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा।

दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सर्कल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था। मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के

हरमनप्रीत कौर-युवराज सिंह को सम्मान

इस क्रिकेट स्टेडियम में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर मोहाली में स्थित मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की है। उनके साथ युवराज सिंह के नाम पर भी यहां स्टैंड का उद्घाटन होगा। इसके अलावा, हरमनप्रीत कौर के साथ अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आज कई स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म, जैसे Betwinner India, भी खास नज़र रख रहे हैं, जो भारतीय खेलों में लगातार बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने आईएएनएस से कहा, 'इन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका मैच में इसका उद्घाटन होगा।' उन्होंने कहा, 'यहां दो बार के वर्ल्ड कप चैंपियन युवराज सिंह के नाम से स्टैंड का भी उद्घाटन होगा। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को इनामी राशि दी जाएगी। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। यह उनके लिए एक छोटी सी चीज है, उन्होंने पूरे देश को विश्व कप खिताब जिताया है। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी तरफ से एक छोटी सी भेंट है।' सिद्धार्थ शर्मा मानते हैं कि इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'विमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा आगे आएंगी। इससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी। जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई में 2 नवंबर को खेले गए महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था। यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला विश्व कप खिताब था। इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न, एजेंसी। नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

फुटबॉल

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू; रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा।

आर्सेनल के 16 वर्षीय डिफेंडर मार्ली सैल्मन का रिकॉर्ड डेब्यू- लंदन में क्लब ब्रुग के खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।' आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। श्वस्र के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है। क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरुआत की थी। खास बात यह है कि सैल्मन ने अभी तक आर्सेनल के लिए कोई सीनियर घरेलू लीग या कप मैच नहीं खेला है। उनका टॉप-टियर डेब्यू अंडर-21 फुटबॉल लीग ट्रॉफी के मुकाबले से पहले ही चैंपियंस लीग के मंच पर हो गया।

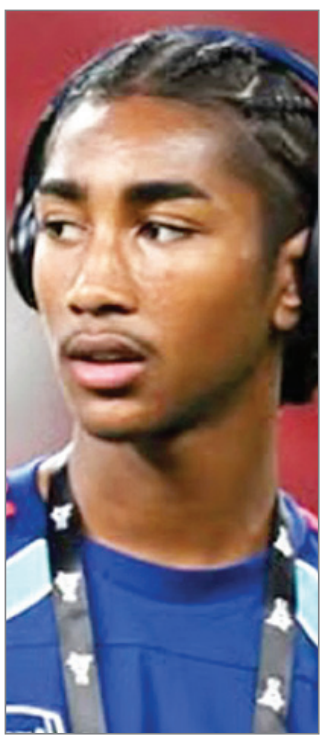

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत, लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670